

डिप्टीपाड़ा आवासीय समिति गठित, मुरारी लाल गुप्ता बने अध्यक्ष



नवप्रदेश, रांची: कचहरी रोड क्षेत्रवासियों ने रविवार को एक बैठक आयोजित कर डिप्टी पाड़ा आवासीय समिति का गठन रविवार को किया। बैठक में सर्वसम्मति से मुरारी लाल गुप्ता को अध्यक्ष, नंद किशोर पाटोदिया को उपाध्यक्ष, अशोक साबू को सचिव और कमलेश संचेती को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं सिद्धनाथ तिवारी, रवि प्रकाश रौनक, समीर मिश्रा, आयुष साबू, मनीष कुमार, दिनेश कुमार गुप्ता, अमृतांशु कुमार, धीरेन्द्र अग्रवाल और मनीष बागला को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक में क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा की गई। कोषाध्यक्ष कमलेश संचेती ने बताया कि डिप्टीपाड़ा

की सड़कें जर्जर हैं और जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, इससे लोगों को भारी परेशानी होती है। सचिव अशोक साबू ने कहा कि क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटें खराब होने के कारण रात में अंधेला छाया रहता है। इससे चोरी और चैन छिनतई की घटनाएं भी हो रही हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि डिप्टीपाड़ा मार्ग पर जाम की समस्या आम हो गई है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं। समिति ने निर्णय लिया कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल नगर निगम प्रशासक और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर इन समस्याओं का समाधान की मांग करेगा। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

चेंबर में लगेगा 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैप

रांची: झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैंकिंग उप समिति की ओर से प्रत्येक 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैप का आयोजन किया जायेगा। इसकी सहमति बैंकिंग उप समिति की चेम्बर भवन में रविवार को हुई बैठक में बनी। बैठक में उप समिति की अध्यक्ष निधि झुनझुनवाला ने बताया कि प्रथम समाधान कैप 22 नवंबर को चेंबर भवन में आयोजित किया जायेगा। इसमें व्यापारियों की बैंक से जुड़ी समस्या, लोन से संबंधित शिकायत, तकनीकी कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त कर, संबंधित बैंक को रिपोर्ट देकर समाधान का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यापारिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में बैंकों की बड़ी भूमिका है।

15 दिसंबर तक मांगें नहीं मानी गईं तो 16 दिसंबर को मंत्री आवास के समक्ष धरना

रांची: झारखंड राज्य पंचायत सहायक संघ जिनकी राज्य में स्वीकृत कार्यरत संख्या 17,300 सत्रह हजार तीन सौ है का प्रथम राज्य सम्मेलन आज दिनांक 09 नवंबर 25 को छगन लाल धर्मशाला रांची में सम्पन्न हुई, आज ये संघ झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ से संबद्धता प्राप्त की। महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने संबोधित करते हुए कहा कि आज राज्य में एक ऐसा संवर्ग है जिसको एक पैसा भी मान्येय नहीं दी जाती है। इस संवर्ग को मात्र दो हजार पांच सौ रुपए प्रोत्साहन भत्ता दिया जा रहा। महामंत्री ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार से अनुरोध है कि इस संवर्ग को न्यूनतम मान्येय प्रतिमाह बीस हजार रुपए दिया जाय, ये संवर्ग वित्त दस वर्षों से कार्य कर रहा है ,इनको स्थाई समायोजन किया जाए। इस संवर्ग के साथ हद तो ये है कि

काले कारनामों का सहयोगी, जैप 2 आरक्षी रंजीत राणा सराहनीय सेवा की श्रेणी में कैसे आ गया : बाबूलाल

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार लिखा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से राज्य में पुरस्कार देना उनका विशेषाधिकार है ,वे जिसे चाहें, जब चाहें, किसी भी पुरस्कार से सम्मानित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राजा हैं चाहें तो चोर, उच्चके, डकेत किसी को भी सम्मानित कर सकते हैं। वैसे भी, उनके कार्यकाल में तो डीजीपी का पद भी मानो हलुपरकारह बन गया है। जिसे मन आया, उसे दे दिया और जब मन बदला, वापस ले लिया। उनके रसुख के सामने कायदे-कानून की क्या औकात है।

उन्होंने कहा कि फिर भी, एक तथ्य मुख्यमंत्री के ध्यान में लाना चाहता हूं। जानकारी मिल रही है कि जैप-2 के आरक्षी रणजीत राणा को भी सम्मानित करने की तैयारी है। सम्मानित होने वालों की सूची में



27 नम्बर पर शामिल यह वही चर्चित व्यक्ति है जो आज तक किसी भी नक्सल अभियान में शामिल नहीं हुआ बल्कि वर्ष 2015 से लगातार अनुराग गुप्ता के कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत रहा है। उन्होंने कहा कि अनुराग गुप्ता के काले कारनामों का मददगार, राजद्वार और हिस्सेदार की लिस्ट में शामिल ये सज्जन वही है जिसका नाम पहले भी मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया था। पुलिस महकमे से लेकर कोयला चोरी के अलावा हर गलत और काले काम करने वाला आदमी इसके चाल-चरित्र और धमकी से वाकिफ है।

खिलाड़ियों के मोटिवेशन और प्रमोशन के लिए हो रहा महोत्सव : संजय सेठ

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के तहत फुटबॉल महासंगम का शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा और रक्षा राज्य मंत्री सह रांची लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री संजय सेठ के मार्गदर्शन में आज दो विधानसभा क्षेत्र का फुटबॉल उत्सव संपन्न हुआ है। झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से फुटबॉल महासंगम का आयोजन हो रहा है। ककि विधानसभा क्षेत्र का फुटबॉल महासंगम सीआईपी कर्कि के ग्राउंड में संपन्न हुआ। जहां 10 टीमों ने भाग लिया। यहां पर फाइनल मैच का उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ सीआईपी के निदेशक डॉ बी० के० चौधरी, संयुक्त रूप से किया। यहां कुल 10 टीमों की सहभागिता रही, जिसमें बालिका वर्ग में बुढ़मू और कर्कि राइट टू किक टीम ने 2 -0 से विजय हासिल कर फाइनल में पहुंची।



सभी टीम के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।। हटिया विधानसभा में भी कुल 10 टीमों ने भाग लिया जिसमें बालक वर्ग में सेवन स्टार सखुआ बागान धुर्वा, एवं मौसी बाड़ी, की टीम फाइनल में पहुंची वहीं बालिका वर्ग में जीटीएस पोखर टोली, एवं तरुण घोष फुटबॉल एंकेडमी धुर्वा, की टीम फाइनल में पहुंची है ' फुटबॉल महासंगम में भी खिलाड़ियों ने मैत्रीपूर्ण, अनुशासन और एकता के साथ अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया इसके

अलावे रांची लोकसभा क्षेत्र के अन्य चार विधानसभा क्षेत्र रांची, सिल्ली, खिजरी और इचागढ़ में भी फुटबॉल महासंगम का आयोजन किया गया है। उसके बाद फिर रांची में इसका फाइनल भी होगा। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने सभी टीमों के खिलाड़ियों को इस महासंगम में शामिल होने के लिए साधुवाद दिया है और कहा कि यह खेल प्रतियोगिता की भावना से नहीं बल्कि महोत्सव के भाव से किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें अपनी सहभागिता निभाएं।

खिलाड़ियों का मोटिवेशन हो सके, क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रमोशन मिल सके; इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री सेठ ने कहा कि इस बार सांसद खेल महोत्सव की सबसे खास बात यह है कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में महिला खिलाड़ी भी शामिल हो रही हैं। इससे दूसरी महिला खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उनकी प्रतिभाओं को भी सम्मान मिलेगा।

हरियाणा संघ के शिविर में सैकड़ों लोगों ने कराई स्वास्थ्य की जांच

नवप्रदेश, रांची: हरियाणा संघ और सेंटर फॉर साइट, रांची की ओर से रविवार को अग्रसेन भवन सभागार में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने किया।

शिविर में रांची शहर सैकड़ों लोगों ने मधुमेह, बीपी और आंखों की जांच कराई। इस अवसर पर सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा संघ चिकित्सा और सेवा के क्षेत्र में समाजसेवा से जुड़कर उकृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक माह ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने की जरूरत है। अग्रवाल ने कहा कि टंड के मौसम की शुरुआत के साथ ग्रामीण



इलाकों में जाकर जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़ों के वितरण का कार्य मानव सेवा का उत्तम उदाहरण होगा। मौके पर डॉ मधु ने बताया कि 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को नियमित रूप से आंखों की जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरी

सब्जियों का अधिक सेवन आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। शिविर का संचालन उपमंत्री प्रमोद सारस्वत ने किया। इस अवसर पर शत्रुघ्न लाल शुभा, रमेश चंद्र शर्मा, विनोद जैन, श्याम सुंदर गोयल, ललित पोद्दार, अशोक पुरोहित सहित अन्य मौजूद थे।

मजदूरों की मांगें पूरी न हुईं तो 16 को होगी आंदोलन की घोषणा : भवन

नवप्रदेश, रांची: झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा है कि विगत 24 सितंबर को निगम प्रबंधन से हुई रिपक्षीय वार्ता के निर्णयों को यदि आगामी 15 नवंबर तक लागू नहीं किया गया तो प्रबंधन के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मजदूरों की मांगें नहीं मानने पर 16 नवंबर को राजेंद्र भवन, सेक्टर32, के मैदान में आम सभा की जाएगी। आम सभा में नगर निगम के सभी वाडों के दैनिक मजदूर, चालक, खलासी और हेल्पर शामिल होंगे। भवन सिंह ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आम सभा में आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। मजदूर कर्मियों के स्थायीकरण, बोनस, अवकाश और प्रिक्श भुगतान जैसे प्रमुख मुद्दों पर आंदोलन का बिगुल फूँका जाएगा। उन्होंने बताया कि रांची नगर निगम में कार्यरत अस्थायी कर्मियों को अबतक बोनस नहीं मिला है,



जबकि धनबाद नगर निगम ने 18 अक्टूबर की अपने कर्मचारियों को बोनस दे दिया है। अगर नवंबर माह में बोनस का भुगतान नहीं हुआ, तो यूनियन श्रम विभाग से भी कार्रवाई करने की मांग करेगा और आवश्यकता पड़ी तो विभाग के समक्ष प्रदर्शन भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यूनियन का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही नगर विकास मंत्री सुदीप्य कुमार से मुलाकात कर स्थायीकरण से जुड़ी लंबित मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग करेगा।

संक्षिप्त खबरें

जिला प्रशासन की ओर से रांची के स्टेशन रोड स्थित हूच्च बार एवं लॉन्च पर कोटपा अधिनियम 2021 का उल्लंघन करने पर लगा 63000 का जुमाना



नवप्रदेश, रांची: अनुमंडल पदाधिकारी सदर, रांची श्री उत्कर्ष कुमार के निर्देश पर बीते रात जिला प्रशासन द्वारा चुंटिया थाना अंतर्गत कई बार एवं लॉन्ज में कोटपा अमेंडमेंट अधिनियम 2021 के तहत सघन छापेमारी की गई। स्टेशन रोड स्थित हूच्च बार एंड लॉन्ज में अधिसूचना जारी होने के उपरांत भी घड़ल्ले से नियम को ताक पर रखते हुए लोगों को समूह में हुका, समूह में धूमपान एवं नर्सिंगल पदार्थ का सेवन करते पाया गया। बार में मौजूद उल्लंघन

करताओं एवं संचालक पर कुल ६3000 का जुमाना किया गया। बार संचालक को यह हिदायत दी गई की भविष्य में अगर इस तरह का कृत्य दोहराने पर नियम संगत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी उनके प्रतिष्ठान का लाइसेंस भी रद्द किया जाएगा। ज्ञात होगी रांची जिला में अनुमंडल पदाधिकारी,सदर रांची द्वारा विशेष जांच टीम का गठन किया गया है जो की औचक निरीक्षण करते हुए ऐसे प्रतिष्ठा एवं लोगों पर कार्रवाई करने का काम कर रही है।

मंच की बैठक में सभी जिलों में संगठन विस्तार का हुआ फैसला



नवप्रदेश, रांची: हमर अधिकार मंच (हम) की पहली बैठक रविवार को पीपी कपाउड स्थित स्टूडियो टैंडस, सिंह मार्ट में अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में हुई। बैठक में झारखंड के सभी जिलों में मंच के संगठन विस्तार का निर्णय लिया गया। इस दौरान रश्मि भेंगरा को सर्वसम्मति से सरायकेला-खरसावा का जिला संयोजक नियुक्त किया गया, जबकि राजकुमार को मेंबरशिप सब कमिटी का संयोजक और अंकित अग्रवाल और विनोद जैन बेगवानी को सह-संयोजक बनाया गया। इस अवसर पर हम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने कहा कि बैठक में शेष पदाधिकारियों की

घोषणा जल्द करने का निर्णय गया है। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य नागरिकों को उनके मौलिक और मानवाधिकार, आरटीआई, आरटीएस सहित अन्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि मंच समय-समय पर विभिन्न अधिकारों पर कार्यशालाएं आयोजित कर लोगों को जागरूक करेगा और संबंधित अधिनियमों एवं आयोगों की जानकारी जनता तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में महासचिव उमाशंकर सिंह, सचिव अंकित जैन, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, दिलीप कुमार सिंह, ओम प्रकाश उपाध्याय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कमेटी ने जरूरतमंदों के बीच बांटा भोजन और कपड़े

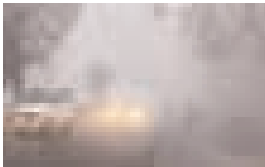


नवप्रदेश, रांची: भारतीय एकता कमेटी की ओर से रविवार को कर्बला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय के पास जरूरतमंदों में भोजन, कपड़े और पानी की बोतलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। सच्चा इंसान वही है जो इसानियत के नाते नेक कार्य करे। उन्होंने कहा कि यदि दुनिया से

मानवता खत्म हो जाएगी तो पूरी दुनिया समाप्त हो जाएगी। सचिव रामेश्वर राम ने कहा कि भारतीय एकता कमेटी की सेवा भावना हमेशा से सराहनीय रही है। संस्था के सभी सदस्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की मदद के लिए लगातार प्रयासरत हैं। मौके पर कमेटी के प्रो मो शमशाद, मो अशाफक, मो खुशींद, मो अयान और दुक्कु सहित कई सदस्य मौजूद थे।

झारखंड के चार जिलों में 10 और 11 को शीतलहर चलने की आशंका

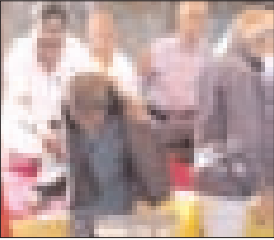
नवप्रदेश, रांची: झारखंड के चार जिलों में 10 और 11 नवंबर को शीतलहर चलने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी है। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में शीतलहर चलने की आशंका है उनमें उत्तरी-पश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा शामिल हैं। विभाग ने राज्य के अन्य हिस्सों के लिए अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री के गिरावट होने की आशंका व्यक्त की है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान में गिरावट नहीं आएगी। वहीं रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा और सुबह में ठंड महसूस की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में



31.8 डिग्री और सबसे कम तापमान खुटी में 9.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री, जमशेदपुर में 29.6 और 14.8, डालटेनगंज में 29.8 और 11.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम तापमान 26.2 और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

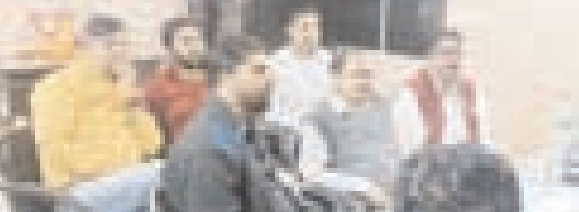
चिकित्सा शिविर और कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश, खूंटी: मुर्ही पंचायत के तेरम ग्राम में रविवार को बनवासी कल्याण केंद्र, रांची महानगर की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रांची महानगर के अध्यक्ष सज्जन सराफ, उपाध्यक्ष किशोरी लाल चौधरी, प्रतिमा गोयल, पुरुषोत्तम लोहिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, न्यायाधीश (री.) बी.एल. पांडेय, अमर कुमार सिन्हा और श्याम शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच के लिए चिकित्सकों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में डॉ. अमित खेतान, डॉ. ज्योत्सना सिन्हा, डॉ. उषा पांडेय, डॉ. रमेश प्रसाद सिन्हा एवं डॉ. एस. कुमार शामिल थे। सभी चिकित्सकों ने कई ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दवाइयां निःशुल्क प्रदान कीं। ग्रामीणों ने इस सेवा का लाभ



उठाते हुए स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कराई और चिकित्सा सलाह प्राप्त की। शिविर के साथ ही वनवासी कल्याण केंद्र के सदस्यों ने स्थानीय ग्रामीणों के बीच लगभग 60 कंबलों का वितरण भी किया। ठंड के मौसम को देखते हुए इस पहल से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमंद परिवारों ने कंबल वितरण का लाभ उठाते हुए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, प्रदीप साहू, सुनील साहू, मुसाफिर विश्वकर्मा, महावीर गोसाईं सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चेंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल नागफनी टोल गेट के मैनेजर से की मुलाकात



गुमला: चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधि मंडल चेम्बर अध्यक्ष राजेश सिंह के अध्यक्षता में गुमला के नागफनी स्थित टोल गेट जाकर उनके मैनेजर सतीश पाल से मिले और टोल गेट से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई चेंबर की तरफ से मांग किया गया के अभी तक जो परंपरा चल रही थी गुमला के स्थानीय लोगों को आधार कार्ड दिखाकर बिना कोई शुल्क के आना-जाना है इसे जारी रखा जाए टोल मैनेजर की तरफ से कहा गया कि प्रतिमाह बहुत कम शुल्क लेकर हम लोग पास निर्गत कर रहे हैं इसे लागू करने दिया जाए, बहुत मंथन के

मेरा युवा भारत का प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

अनगड़ा: प्रखंड के बीसा मैदान में मेरा युवा भारत रांची युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में 200 मी दौड़ में प्रथम सुहाना बांडों , द्वितीय दीपा कुमारी, तृतीय सोनी कुमारी, रिकनीग में प्रथम नंदिनी कुमारी, द्वितीय कृतिका कुमारी, तृतीय मनिषा कुमारी, बालक वर्ग में 400 मी दौड़ में प्रथम प्रेम बेदिया , द्वितीय पिकेश्वर बेदिया , तृतीय अरूण बेदिया , द्वितीय दिलेश्वर बेदिया, राम, महेश बेदिया, विजय रही। बालिका कबड्डी मे प्रथम कबड्डी क्लब डोकाद , द्वितीय कबड्डी क्लब नवागढ़ रही। बालक फुटबॉल मे जयराम स्पोर्ट्स बीसा बनाम जुनियर एफसी बीसा के बीच खेला गया। जिसमें जयराम स्पोर्ट्स बीसा ने जुनियर एफसी बीसा को को 5-3 से पराजित किया।

11वीं राज्य स्तरीय सीनियर महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप के लिए दुमका रवाना : सैयद जुन्नू रैन



नवप्रदेश, गुमला: झारखण्ड हैंडबॉल एसोसिएशन और दुमका हैंडबॉल एसोसिएशन के तरफ से 11वीं राज्य स्तरीय सीनियर महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप होगी जो दो दिवसीय प्रतियोगिता रखी गयी है । यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता झारखण्ड राज्य के उप राजधानी दुमका जिला के गांधी मैदान में 8 और 9 नवंबर को होना है । जिसमें गुमला जिला की महिला हैंडबॉल टीम भी प्रतिनिधित्व करेगी । स्पोर्ट्स अकादमी और गुमला हैंडबॉल एसोसिएशन के संचालक के बीच सैयद जुन्नू रैन ने बताया टावर चौक से 12 महिला सदस्य टीम रवाना होगी जो जिला का नेतृत्व करेगी साथ ही जिला का

मान बढ़ाएगी और साथ ही इस प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन करने पर होने वाले सीनियर नेशनल में अपना जगह बनाएगी ।टिम में जाने वाले खिलाड़ियों के नाम । प्रियंका सिंह , सुमिा कुमारी , पूनम कुमारी , अर्पिता तिंग्ग , मंजू कुमारी , प्रीति कुमारी , अनामिका , सुहानी , प्रीति , संध्या , सोनाली , दीपिका वही टिम के साथ सैयद जुन्नू रैन , हाफिजर रहमान , दीपक कुमार , विक्रम राज ठाकुर जाएंगे । टिम को टावर चौक से रवाना करने के लिए स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी गण भी मौजूद थे जिसमें अणिमा , अलका , सूर्यलेखा , असर आब्दीन। सुरीला , शशांक , हर्षिकेश, हर्ष आदि मौजूद थे ।

जैनेन्द्र गुुप ऑफ कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया 10वां स्थापना दिवस

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: जैनेन्द्र गुुप ऑफ कॉलेज द्वारा संचालित बुद्ध नर्सिंग कॉलेज, जैनेन्द्र नर्सिंग कॉलेज, जैनेन्द्र फार्मेसी कॉलेज, जैनेन्द्र पारा मेडिकल कॉलेज, जनजातिया आई. टी. आई. कॉलेज बिजुलिया, रातु, में रविवार को कॉलेज का दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 10 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया साथ ही कॉलेज के प्रबंध निदेशक श्री जैनेन्द्र कुमार जी का 61वाँ जन्म दिवस भी मनाया गया इन्ही शुभ कार्यों के साथ सत्र 2025-2029 में नामांकित बी. एस. सी. नर्सिंग तथा सत्र 2025-2028 में नामांकित जी.एन. एम. के छात्रो का फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया ’ कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के बाद मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध डॉ॰ राजीव रंजन लाल (एम. बी. बी. एस.), सुधीर बाग (निदेशक, डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन) ,कॉलेज के प्रबंध



निदेशक जैनेन्द्र कुमार, अध्यक्ष झिंगी बोदरा, एवं निदेशक प्रियांशु कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया ’ मौके पर धर्मेन्द्र सिंह (जिला अध्यक्ष, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा), कृष्णकांत तिवारी समाजसेवी, सविर्दु झा, अजय सिंह, समाजसेवी कृष्णकांत, मदन दास, मनोज महतो, मोहन भुइयां, भी उपस्थित रहे ’ प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार ने छात्रो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा ह्कॉलेज का लक्ष्य शिक्षा प्रदान कर छात्रो भविष्य तथा समाज का

विकाश करना है ’ सभी छात्रो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, नाटक का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया इसी के साथ प्रवेशित छात्र-छात्रओ से रैंप वोक, प्रेजेंट ऑफ दा माईड गेम, कुईज आदि का आयोजन किया गया’ साथ ही मुन्ना कुमार वर्मा, अर्चना राॅय, रितिक सक्सेना अर्पण कुमारी, सरोज कुमार, डिम्पल, सम्र, अनीता, सौरव, अंजलि, सुभाष, रूही रेबका, नेहा , सकीब, रुपंजलि, अनवर, विकास, निकिता, किशोर, नेहा कुमारी,क्रिशन मोहन, आदिति,

लाल किशन, पूनम, मोहित राज, श्रीज, नितीश, साक्षी, पंकज, एवं अन्य विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया ’ कार्यक्रम का संचालन मिस रिया एवं मिस्टर सोनित ने किया ’ इस अवसर पर प्रबंधक हिमांशु सिंह, अकेडमिक हेड आशीष कुमार, निकिता कुजुर, हिना परवेज, निधि पाठक, पूजा कुमारी, राहुल कुमार, प्रणव दुबे, सहन्वाज, दीपक रजक, आर॰ पी॰ सिंह, मुन्साद मंझर, रितिक कुमार, अभिषेक गुप्ता, मोकिम अहमद एवं अन्य उपस्थित रहे।

उर्मि बायपास पर रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ अभियान संपन्न

नवप्रदेश, गुमला: जिले में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग, रांची के निर्देशानुसार गुमला में रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाईजागरूकता अभियान चलाया गया,सप्ताह भर चलने वाले अभियान का समापन उर्मि बायपास रोड पर हुआ। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जयसवाल ने नागरिकों को यातायात नियमों और अति गति के खतरों से अवगत कराया।

उन्होंने सड़क पर स्टंट और ओवरस्पीडिंग वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात कही जिला परिवहन पदाधिकारी के मार्गदर्शन में चलाए गए जागरूकता अभियान का मुख्य फोकस ओवरस्पीडिंग और खतरनाक स्टंट पर था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाहन चालकों को अपनी गति सीमा का सख्ती से पालन करना चाहिए, क्योंकि नियंत्रित गति ही



आपात स्थिति में वाहन को नियंत्रित करने का पर्याप्त समय देती है।जागरूकता कार्यक्रम में मोटरयान अधिनियम 2019 के तहत दंडात्मक प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया।

रेसिंग/स्टंट सड़क पर रेसिंग या स्टंट करते पकड़े जाने पर धारा 189 के तहत पहले अपराध के लिए १5,000 जुमाना, या तीन महीने का

कारावास, या दोनों का दंड दिया जाएगा।गुड सेमिफिटन और जिम्मेदारी को बताते हुए योजनाओं के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

उन्होंने युवाओं से केवल 'वायरल लाइक्स' के लिए अपनी और निर्दोष नागरिकों की जान जोखिम में न डालने की अपील की, और वचुंअल शो ऑफ की जगह सुरक्षा को अपनाने

संगठित होकर समाज परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ें छात्र: पटनायक

नवप्रदेश, खूंटी: ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से रविवार को संत मिखाईल सभागार में बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय सेमिनार सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कई जिलों से आए छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर फादर बिसू बेंजामिन आईज, अधिवक्ता असित कुमार पात्र, शिक्षक रवि करुण, शिक्षक शिवू नायक, केंद्रीय परिषद के कोषाध्यक्ष सममुल आलम, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व छात्र नेता श्रीमंत बारीक, प्रदेश अध्यक्ष समर महतो और प्रदेश सचिव सोहन महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय परिषद के इंटरनेशनल अफेयर सेक्रेटरी एवं मुख्य वक्ता मणिशंकर पटनायक ने की। पटनायक ने बिरसा मुंडा के

जीवन संघर्ष, उलगुलान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज भी जल, जंगल, जमीन की रक्षा और शोषण के खिलाफ संघर्ष जारी है। ऐसे में छात्र-नौजवानों को बिरसा मुंडा के आदर्शों पर संगठित होकर समाज परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है।

प्रदेश सचिव सोहन महतो ने बताया कि पिछले एक वर्ष से संगठन ने राज्य के स्कूल-कॉलेज व गांवों में बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। खूंटी का यह कार्यक्रम इस अभियान का समापन था। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला ईंचार्ज सुबोध कुमार महली, अनीशा केथरीन कुजूर, कमल मुंडा, सुजाता पूर्ति, प्रीति होरो, अंकित कंडुलना आदि ने योगदान दिया।

उर्दू दिवस पर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की बैठक संपन्न



नवप्रदेश, गुमला: उर्दू दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की एक विशेष बैठक आयोजित की गई. इस अवसर पर महान शायर, दार्शनिक और चिंतक डॉक्टर अल्लामा डॉक्टर इकबाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनको साहित्यिक और वैचारिक सेवाओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई. संघ के महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि अल्लामा इकबाल ने अपनी शायरी के माध्यम से पूरी उम्मत को जागरूक करने का काम किया. उन्होंने युवाओं को अपनी पहचान, आत्मविश्वास और कर्मशीलता की राह दिखाई. उनकी नम्रें आज भी ईसान को बुलंद होसले और खुदी के सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा देती हैं. खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है, जैसी पंक्तियां हमेशा ईसान को मेहनत, ईमान और आत्मनिर्भरता का संदेश देती हैं.बैठक में पाठित तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए

1. एसए-1 परीक्षा में उर्दू विषय का प्रश्नपत्र उर्दू भाषा में देने की मांग: आगामी 16 दिसंबर से

आयोजित होने वाले एसए-1 परीक्षा में वर्ग 1 से 5 तक के छात्रों के लिए उर्दू विषय का प्रश्नपत्र उर्दू भाषा में तैयार किए जाने की मांग की गई, ताकि विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में परीक्षा देने का अवसर मिल सके. पूर्व में प्रश्न पत्र नहीं दिए गए हैं

3. आलिम व फाजिल की डिग्री को लेकर आपत्ति: संघ ने जैक द्वारा मदरसा बोर्ड अंतर्गत आलिम एवं फाजिल की डिग्री जारी किए जाने को ग़लत करार दिया और कहा कि यह कार्य रांची विश्वविद्यालय का अधिकार है.संघ ने राज्य सरकार से विशेष कैबिनेट बुलाकर रांची विश्वविद्यालय को आलिम व फाजिल परीक्षा संचालित करने और डिग्री जारी करने की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की.बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष अब्दुल माजिद खान ने की, जबकि केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद के नेतृत्व में बैठक का संचालन हुआ.इस अवसर पर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से,अब्दुल

गफ्फार अंसारी, गुलाम अहमद, शाहिद अनवर, साबिर अहमद, एनामुल हक, शहजाद अनवर, मोहम्मद फखरुद्दीन, महफूज़ूर रहमान, मोहम्मद शमशेर आलम, मोहम्मद फिरोज, सरवर आलम, मुजाहिद हुसैन, मोहम्मद नसीमुद्दीन, फजल बखली, मोहम्मद दिलदार, अयूब खान, साजि़द खान और अफज़ल मल्लिक शामिल थे.बैठक के अंत में उर्दू भाषा के उथान, शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा तथा विद्यार्थियों को उर्दू माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के संकल्प से साथ कार्यक्रम का समापन हुआ यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता शहजाद अनवर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के द्वारा दी गई

संक्षिप्त खबरें

बुढ़मू के मतवे में बंगाली डॉक्टर की गला रेतकर बेरहमी से हत्या,आरोपी गिरफ्तार

नवप्रदेश, बुढ़मू: प्रखंड के मतवे गाँव में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ मामूली कहा-सुनी को लेकर एक युवक ने ग्रामीण चिकित्सक डॉ. सपुन दास (सपन दास) की गला रेतकर हत्या कर दी। डॉक्टर पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के राजपुर के रहने वाले थे और पिछले कई सालों से मतवे में किराए के मकान में रहकर आस-पास के गांवों में लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे थे। मृतक : डॉ. सपुन दास, पिता कालीपदु दास, निवासी- राजपुर, उत्तरी चौबीसपरगना, बंगाल। वह मतवे में तबाराक अंसारी के घर में रह रहे थे। आरोपी: वारिस अंसारी, पिता इन्तियाज अंसारी, मतवे निवासी। आज सुबह लगभग 9 बजे, बुढ़मू प्रखंड के मतवे गाँव। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डॉक्टर और आरोपी के बीच किसी छेटी-मोटी बात को लेकर कहा-सुनी हुई, जिसके बाद युवक ने क्रूरतापूर्वक डॉक्टर का गला रेत दिया।

मोटरसाइकिल से गिर कर एक युवक गंभीर रुप से घायल रिस्स रेफर

नवप्रदेश, मांडर : मांडर थाना क्षेत्र के बड़ीला के निकट रविवार की शाम हुए सड़क दुर्घटना में विवेक एक्का 20 वर्ष ग्राम मंदरो गंभीर रुप से घायल हो गया, मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के पश्चात रिस्स रेफर कर दिया गया,

आक्रोशित ग्रामीणों ने की आरोपी की पिटाई : क्षेत्र में डॉ. सपुन दास की अच्छी सेवा और व्यवहार के कारण वह काफी लोकप्रिय थे। उनकी निर्मम हत्या की खबर सुनकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने तत्काल हत्यारे वारिस अंसारी को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया घटना की सूचना मिलते ही बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन शर्मा दल-बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को शांत कराया और गंभीर रुप से घायल वारिस अंसारी को उनके कब्जे से लेकर हिरासत में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरु कर दी है।पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है कि हत्या के पीछे मामूली कहा-सुनी के अलावा कोई और वजह तो नहीं थी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।



संत जगत ज्ञान सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में डिस्कवरी ड्रीम्स विज्ञान कला और शिल्प प्रदर्शनी 2025 का आयोजन



नवप्रदेश, पिरक नगड़ी: संत जगत ज्ञान सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में डिस्कवरी ड्रीम्स विज्ञान कला और शिल्प प्रदर्शनी 2025 का आयोजन किया गया । प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने रचनात्मक क्रियात्मक और शैक्षणिक वैज्ञानिक जिज्ञासा का उत्सव मनाया। विद्यार्थियों के द्वारा कई रचनात्मक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सुरजीत सिंह उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में रचनात्मक छमता बढ़ती है। विद्यालय के सचिव डॉ पंकज कुमार राज ने छात्र-छात्राओं का मनोबल

बढ़ाते हुए उनके सर्वांगीण विकास और विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया ।उन्होंने विज्ञान की प्रासंगिकता और महत्व को बताते हुए बच्चों को कठिन परिश्रम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानाचार्या जसमंती देवी, डिफेंश्वर पांडे, डॉ अर्पणा कुमारी , डॉ नीलिमा कुमारी, राकेश कुमार, विनोद कुमार, डॉ प्रसाद पांसवान विद्यालय की उप प्राचार्या सुनीता सिंह, दीपिका, विवेकानंद सहित शिक्षक -शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

20वां चैंपियंस ट्रॉफी: कैमरून के केल्विन के हैट्रिक गोल और जादुई खेल से अंश वलब कांके फाइनल में



नवप्रदेश, अनगड़ा: 20वां चैंपियंस ट्रॉफी फुटबाल टूर्नामेंट में कैमरून के खिलाड़ी केल्विन के जादुई खेल से अंश वलब कांके फाइनल में पहुंच गई। रविवार को अनगड़ा स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में कांके ने भगत इलेक्ट्रॉनिक्स पारेपाट को 5-0 गोल से हराया। सोमवार को खिताबी फिडट कांके व खितरकोटा एफसी के बीच अपराहन ढाई बजे से खेला जाएगा। पूरे खेल में कैमरून के केल्विन ने फुटबॉल का जादू दिखाया। पहले हाफ के इजुरी टाइम में केल्विन के अरिस्ट पर आगमलाल मुंडा ने पहला गोल दागा। दूसरे हाफ में केल्विन का जादू चला। 43, 44 और 49 वें

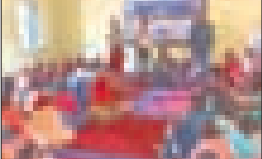
मिनट में गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की। 69 वें मिनट में सुनील ने टीम के लिया पांचवां गोल दागा। केल्विन ने अपनी रफ्तार, रिकल, सटीक पास, पारर से विरोधी टीम को लगातार परेशान कर रखा। अपना तीसरा गोल से हाफ ग्राउंड से दौड़ाते हुए दागा। कांके के खिलाड़ी फुफाना और रामरसे को येलो कार्ड दिखाया गया। केल्विन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मुख्य बर्डमैन आफ झारखंड पन्नालाल महतो व व्यवसायी सह आजसू पार्टी केद्रीय सचिव मोहसिन खान ने प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि आनसू नेता वनमाली मंडल, नईम अंसारी, पर्यावरणविद निखिल मेहुल थे।

भारत डिफेन्स अकादमी का उदघाटन

अनगड़ा : प्रखंड के हेसल में रविवार को भारत डिफेन्स अकादमी का उदघाटन किया गया । उदघाटन जिला परिषद सदस्य अनगड़ा अनुराधा मुंडा,राजेन्द्र शाही मुंडा, हेसल मुखिया कविता देवी व साल्हन मुखिया सरिता तिवीी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। अकादमी के संचालक सोनू प्रसाद ने बताया कि रक्षा के क्षेत्र में देश की सेवा को अपना लक्ष्य बनाने वाले युवक एवं युवतियों के लिए एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। मौके पर मदरा मुंडा ,दुर्गा महतो , देवराज पाहन,कुमार महतो आदि उपस्थित थे।

विधिक सेवा प्राधिकार गुमला द्वारा नालसा दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाया गया

नवप्रदेश, गुमला: माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री ध्रुव चंद्र मिश्र के निर्देश पर तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री राम कुमार ताल गुप्ता के आदेश पर आज नालसा दिवस के अवसर पर जगह-जगह पर पोपलटियों के द्वारा कार्यक्रम कर लोगों को जागरूक किया गया और कानूनी संबंधी जानकारी दी गई । इस अवसर पर गुमला बेरा रोड में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लोगों को बाल संरक्षण, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई



तथा डालसा के विषय में भी लोगों को जानकारी दी गई । पीपलटी राजेश सिंह ने कहा की डालसा जनता एवं पब्लिक के बीच का एक पुल का कार्य करता है और लोगों का समस्या का समाधान करता है , लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करता है । इस अवसर पर जरीना प्रेम कुमार साह, नीलम, सोनू देवी आदि उपस्थित थे।

हजारीबाग : 42.5 लाख के अफीम के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

हजारीबाग। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर लगभग 42.5 लाख रुपये की अफीम बरामद की है। इस दौरान चार अफीम तस्करीों को भी गिरफ्तार किया गया है। रविवार को प्रेसवार्ता के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमित आनंद ने बताया कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कत्था फैक्ट्री के पास टॉयोटा शो रूम के सामने कुछ तस्कर अफीम की खरीद-बिक्री



करने वाले थे। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी के

नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम मौके पर

पहुंची तो चारों तस्कर पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी

कर पकड़ लिया गया। तलाशी में 8.2 किलोग्राम अफीम, चार

मोबाइल फोन और एक पिकअप वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सचिन कुमार, राकेश कुमार, ननकू ठाकुर और अजीत दांगी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे अफीम को चतरा से हरियाणा ले जा रहे थे। मामले में मुफ्फसिल थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक शुभ्रज्योति, थाना प्रभारी रोशन कुमार सहित सशस्त्र बल एवं तकनीकी शाखा के जवान शामिल थे।

डीएवी विद्यालय में मूल्यांकन एवं आकलन पद्धतियों के सुदृढीकरण पर क्षमता संवर्धन कार्यशाला संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

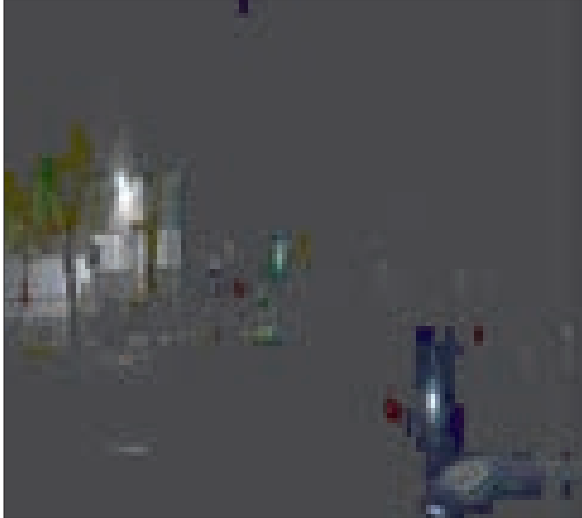
कोडरमा। पीवीएसएस डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरीतिलैया में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, पटना क्षेत्र के तत्वावधान में मूल्यांकन एवं आकलन पद्धतियों के सुदृढीकरण विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन 8 एवं 9 नवम्बर 2025 को किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्रभावी, पारदर्शी तथा दक्षता-आधारित मूल्यांकन पद्धतियों से परिचित कराना तथा नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सार्थक बनाना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य सह स्थल निदेशक कृष्ण कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन के

साथ किया। इस अवसर पर प्रमुख संसाधन व्यक्तियों चन्दन कुमार दुबे (सैनिक स्कूल), मुकेश कुमार प्रसाद (झारखंड पब्लिक स्कूल), वरिष्ठ शिक्षिका मौसुमी मल्लिक तथा कुमार सतीश सिंह की उपस्थिति रही। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने कार्यक्रम को सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण प्रदान किया। प्राचार्य ने अपने स्वागत भाषण में बदलती मूल्यांकन प्रणाली, निष्पक्ष आकलन तकनीकों तथा शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में कुल 58 शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें डीएवी संस्थाओं के शिक्षक तथा झारखंड पब्लिक स्कूल के चार शिक्षक शामिल थे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को नवीन परिपत्रों, प्रश्न निर्माण के मानकों,

मूल्यांकन तालिकाओं, अभ्यास आधारित गतिविधियों तथा कक्षा-आधारित आकलन की नई रूपरेखा से अवगत कराया गया। समूह चर्चा, प्रश्नोत्तरी, गतिविधि-आधारित शिक्षण तथा विभिन्न प्रप्रत्रों के माध्यम से शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया में आए परिवर्तनों का गहन विश्लेषण किया। संसाधन व्यक्तियों ने छात्र-केंद्रित, कौशल-आधारित एवं जीवनोपयोगी मूल्यांकन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ के साथ हुआ। कुमार सतीश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए केन्द्रीय बोर्ड, संसाधन व्यक्तियों विद्यालय प्रबंधन, प्रतिभागी शिक्षकों तथा सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नव प्रदेश संवाददाता

डोमचांच। नगर क्षेत्र के शाहिद चौक स्थित ट्रांसफार्मर के जल जाने से पिछले दो दिनों से इलाक़े में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण शाहिद चौक से लेकर फहीम गुमटी और कलाली रोड तक अंधेरे में डूबे हैं। बिजली बाधित रहने से क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। टंकी में पानी न आने से लोग जनेरेटर का सहारा लेकर पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने और आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। निवासियों ने कहा कि दो दिनों से लगातार बिजली कटौती ने



दैनिक जीवन को प्रभावित कर दिया है। रात में अंधेरा और दिन में पानी की कमी से लोग बेहद

परेशान हैं। विभाग की लापरवाही पर नागरिकों में आक्रोश देखा जा रहा है।

बिरहोर समुदाय के लिए हर सोमवार होगा स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर : सीएचसी

चौपारण। प्रखंड के आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के बीच बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) चौपारण की ओर से प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्म नाथ ठाकुर ने आदेश जारी करते हुए कहा कि बिरहोर समुदाय जैसे संवेदनशील वर्ग को स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आदेश के अनुसार चौपारण प्रखंड अंतर्गत दुनुवा, भूषणडीह, रामपुर, दुरगगड़ा एवं बसरिया उपकेन्द्रों में प्रत्येक सोमवार को विशेष स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू तथा संबोधित गांव की सहिया की उपस्थिति अनिवार्य होगी। शिविर के दौरान बिरहोर समुदाय के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, विभिन्न रोगों की पहचान तथा आवश्यक दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को तत्काल रेफर कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चौपारण भेजने का निर्देश दिया गया है। डॉ. ठाकुर ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया है कि प्रत्येक शिविर की प्रगति रिपोर्ट और छायाचित्र विभागीय व्हाट्सएप समूह में साझा करें, ताकि निगरानी और मूल्यांकन का कार्य सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय का कोई भी व्यक्ति बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा से वंचित न रहे और नियमित चिकित्सा सेवा उनके द्वार तक पहुँचे।

डोमचांच में भाजपा की बैठक संपन्न राष्ट्रीय एकता पदयात्रा वंदे मातरम गान व आत्मनिर्भर भारत रथ यात्रा की बनी रूपरेखा

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। भारतीय जनता पार्टी डोमचांच ग्रामीण मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को शिव शक्ति धाम नावाडीह में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष महेश वर्मा ने की, जबकि संचालन महामंत्री सुनील भारती और पारिजात सिंह ने किया। बैठक में मंडल प्रभारी एवं पूर्व जिला मंत्री सुनील सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में 13 नवंबर को कोडरमा जिला में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता



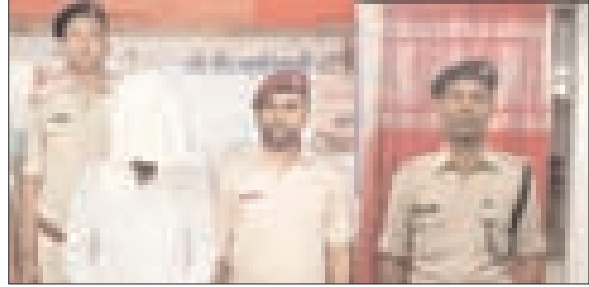
पदयात्रा की तैयारियों पर चर्चा हुई। यह पदयात्रा सुभाष चौक झुमरी तिलैया से प्रारंभ होकर कोडरमा बाजार होते हुए ध्वजाधारी आश्रम में सम्पन्न होगी। मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री सह सांसद

अन्नपूर्णा देवी एवं विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. नीरा यादव उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में सामूहिक गान का निर्णय लिया

कोडरमा रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन यात्री सुरक्षा में मोबाइल चोर गिरफ्तार, ऑपरेशन सतर्क में अवैध शराब जब्त

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेल पुलिस (जीआरपी) ने कोडरमा रेलवे स्टेशन पर दो अलग- अलग अभियानों में सफलता हासिल की है। आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत सीसीटीवी निगरानी के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 7 पर एक संदिग्ध व्यक्ति को घूमते हुए देखा गया। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त गश्ती टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रेलवे लाइन के पास दौड़ाकर



पकड़ लिया। पूछताछ में उसने यात्रियों से मोबाइल चोरी की बात कबूल की। उसके पास से तीन पुराने स्मार्टफोन और एक महिला का आधार कार्ड बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त हेमनारायण

पंडित (उम्र 31 वर्ष), निवासी बगड़ो, थाना डोमचांच, जिला कोडरमा है। चोरी के सभी मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 30,000 बताई गई है। वहीं ऑपरेशन सतर्क के तहत आर

पीएफटीम ने प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर एक नीले रंग का संदिग्ध बैग बरामद किया। यात्रियों से पूछताछ के बाद जब बैग की जांच की गई तो उसमें अवैध शराब मिली। बैग से कुल 03 बोतलराॅयल स्टेज विश्वकी (750 मि.ली.) और 02 बोतल राॅयल चैलेंज विस्की (375 मि.ली.) बरामद की गई। जब शराब की कुल कीमत 3,280 आंकी गई। सभी जन्त सामग्री को जपती सूची बनाकर उत्पाद विभाग कोडरमा को सौंपा गया। दोनों ही कार्रवाइयाँ कोडरमा आरपीएफ पोस्ट की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण हैं।

चौपारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध पशु तस्करी में दो गिरफ्तार

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में रविवार को पुलिस टीम ने अवैध पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने महुदी क्षेत्र से क्रूरता पूर्वक भरे गए 14 बैगों से लदे दो पिकअप वाहन को जप्त किया। मौके से दीपक यादव और गोल्ड यादव नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।दोनों के खिलाफ चौपारण थाना काॅड संख्या 302/25, दिनांक 09/11/2025 दर्ज की गई है। उन पर धारा 315(5)/3(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ है। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि पकड़े गए दोनों वाहन अवैध रूप से पशुओं को तस्करी के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य ले जा रहे थे। जप्त पिकअप वाहन संख्या बीआर 44 जीए 5283 और डब्लू की 23 एस 6523 में पशुओं को जिस तरह से टूंस-टूंसकर भरा गया था, वह अत्यंत क्रूर और अमानवीय था।उन्होंने कहा कि पशु तस्करी एवं पशुओं के साथ क्रूरता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौपारण पुलिस टीम ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रख रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।इस अभियान में थाना प्रभारी के साथ चौपारण पुलिस बल की टीम सक्रिय रही। पकड़े गए दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। सुत्रों के अनुसार, इस मार्ग से अवैध पशु तस्करी का सिलसिला काफी समय से जारी था। लोगों ने चौपारण पुलिस की तत्परता और सख्ती की सराहना की है।

एक नजर

32वीं कोडरमा जिला कराटे चैंपियनशिप में कोडरमा प्रखंड का दबदबा



नवप्रदेश/झुमरी तिलैया। रियल एजुकेशन सेंटर में रविवार को 32वीं कोडरमा जिला कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन कोडरमा जिला कराटे एसोसिएशन के तत्वावधान में हुआ। नेतृत्व सिंहा धर्नजय, नेहा श्रीवास्तव और सचिव राजेश कुमार गुप्ता ने किया। जिले के सभी प्रखंडों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोडरमा प्रखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक सारियों में पहला स्थान प्राप्त किया। काता स्पर्धा में जीत कुमार, अयांश सूरि, नैन्सी कुमारी और नव्या कुमारी ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि डोमचांच प्रखंड की एंजेल और सौम्या शालिनी गुप्ता ने भी स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। कुमित वर्ग में मोहम्मद अरहान अहमद, निर्मित प्रकाश और अंकित कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की सफलता में मनीष कुमार श्रीवास्तव, रितेश श्रीवास्तव, संदीप कुमार, तिलकधारी साव और अक्षय कुमार का विशेष योगदान रहा।

डीवीसी केटीपीएस दुर्गा पूजा समिति की मानवीय पहल बिरहोर टोला में जरूरतमंदों के बीच कपड़े



नव प्रदेश/कोडरमा। डीवीसी केटीपीएस की दुर्गा पूजा समिति ने सीजीएम एवं एचओपी श्री मनोज कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में सामाजिक दायित्व की एक मिसाल पेश की। समिति ने बिरहोर टोला डीवीसी केटीपीएस के कैचमेंट क्षेत्र में वंचित परिवारों और बच्चों के बीच कस्त्र, खिलौने, जुते, बर्तन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया। इस अभियान में डीवीसी परिवार (मडीवीसियन्स ने पूरे उत्साह और संवेदनशीलता के साथ भाग लिया। सभी सदस्यों ने उपयोगी और नए सामानों को एकत्र कर व्यवस्थित रूप से छंटने, पैक करने और लाभाथियों तक पहुँचाने का कार्य किया ताकि वितरण सुचारू और प्रभावी रूप से संपन्न हो। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुमार, आनंद राज और नवल किशोर ने किया, जबकि भाव्या ठाकुर एवं अमन ज्योति, जीएन (ओ एंड एम) का विशेष सहयोग रहा। दुर्गा पूजा समिति के सभी सदस्यों का योगदान उल्लेखनीय रहा। इस पहल ने डीवीसी केटीपीएस टीम की मानवता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामूहिक एकता की भावना को मजबूती से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में नवीन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आस्था: घने जंगलों के बीच आस्था और श्रद्धा का अनोखा केंद्र, हर मनोकामना होती है पूरी



नवप्रदेश/कोडरमा। जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत धरगांव पंचायत के लक्ष्मीपुर के देवपुर गांव से लगभग दो किलोमीटर अंदर घने जंगलों के बीच स्थित बुढ़िया माता मंदिर आस्था और श्रद्धा का अनोखा केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि इस मंदिर में भगवान विष्णु और मां दुर्गा का ऐसा अद्भुत स्वरूप है, जहां भक्तों की हर मुगद पूरी होती है। मंदिर परिसर में मां के चरणों का वास्तविक छाप और भगवान विष्णु के साथ नाग देवता की साक्षात उपस्थिति श्रद्धालुओं की आस्था को और प्रगाढ़ बनाती है। पुजारी के अनुसार, माता गुफा में निवास करती हैं और कभी-कभी दिव्य रूप में भक्तों को दर्शन देती हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु पुत्र प्राप्ति, निरोग कामना या अन्य किसी मनोकामना पूर्ति के लिए यहां घनघोर जंगलों के बीच बिना भय के घरना देते हैं और मन्त्रों पूरी होने पर भंडारा कर धन्यवाद ज्ञापन करते हैं। स्थानीय महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के साथ- साथ पुजारी ने जिला प्रशासन से मंदिर परिसर तक पहुँचने के लिए सड़क, शेड और आधारभूत सुविधाओं के निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि दुर्गम रास्तों के बावजूद श्रद्धालु यहां निरंतर आते हैं, लेकिन उचित व्यवस्था होने पर यह स्थल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है। देवपुर का बुढ़िया माता मंदिर न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि झारखंड की लोक-श्रद्धा और अध्यात्म का जीवंत उदाहरण भी बन चुका है।

होमगार्ड ने एसआई बनकर की ठगी भाजपा नेता बसंत मेहता ने की जांच व कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश/कोडरमा। डोमचांच नगर पंचायत डोमचांच के वार्ड संख्या 14 माधौतीमहुआ निवासी पंकज शर्मा से चंदवारा थाना क्षेत्र में एक होमगार्ड संदीप चंद्र यादव ने खुद को थाना का एसआई बताकर 50 हजार नकद और 15 हजार ऑनलाइन ठगी कर ली। पंकज शर्मा पशु लंटे वाहन से लौट रहे थे जब चेकिंग के नाम पर वाहन रोका गया। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता बसंत मेहता ने इसे पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल बताया। उन्होंने कहा कि किसी होमगार्ड द्वारा बलपूर्वक वसूली करना अत्यंत निंदनीय है। श्री मेहता ने जिला कमांडेंट डीएचएस यादव से संपर्क करने की कोशिश की, पर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। श्री मेहता ने प्रशासन से पूरे मामले की पारदर्शी जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों पर कार्रवाई न होने से आम जनता का पुलिस पर विश्वास कमजोर होता है।

सियरकोनी जंगल से 65 वर्ष पुरुष का शव बरामद, 72 घंटे तक शीतगृह में रखा गया

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के सियरकोनी जंगल से शनिवार को एक 65 वर्षीय अज्ञात वृद्ध पुरुष का शव बरामद किया गया। ग्रामीणों ने सुबह जंगल में शव को देखा तो इसकी सूचना तुरंत चौपारण थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुरुष को पहचान के लिए आसपास के गांवों में पूछताछ की गई, लेकिन देर शाम तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया, जहां पहचान न होने के कारण शव को 72 घंटे तक शीतगृह में सुरक्षित रखा गया। पुलिस का कहना है कि यदि इस अवधि में परिजन नहीं आते हैं, तो विधि अनुसार दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की चोट या हिंसा के निशान नहीं मिले हैं, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का खुलासा हो सकेगा। पुलिस आसपास के इलाकों में लापता वृद्ध पुरुष की खोजबीन कर रही है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

झारखंड स्थापना दिवस के सफल आयोजन को लेकर डीसी ने की वर्चुअल बैठक

पदाधिकारियों को सौंप दायित्व, कहा— अपने कार्यों का करें संपूर्ण निर्वहन

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2025 के सफल आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में ऑनलाइन (वर्चुअल) बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिला स्तरीय, प्रखंड स्तरीय एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए।



बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, सिविल

महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप विजय पर झारखंड +2 शिक्षक संघ में उल्लास

बोकारो जिला इकाई ने बैटक कर दी बधाई, कहा-यह जीत विकसित भारत के निर्माण में मील का पथर

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो। झारखंड +2 शिक्षक संघ, बोकारो जिला इकाई की कार्यकारिणी समिति की बैठक बाघरायबेड़ा में जिला सचिव डॉ. अजनीश कुमार झा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को उनके ऐतिहासिक प्रथम विश्व कप विजय पर हार्दिक बधाई दी और इसे विकसित भारत के निर्माण में एक और मील का पथर बताया। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. झा ने कहा कि पूरे देश में उत्सव का माहौल है। यह जीत भारत की सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायक संदेश लेकर आई है। इसने साबित किया है कि महिला होना अभिशाप



नहीं, बल्कि वरदान है। कोषाध्यक्ष राजदेव साहू ने कहा कि महिलाओं के सम्मान में ही विश्व का सम्मान निहित है, इसलिए समाज में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। संयुक्त सचिव डॉ. शक्ति पद महतो ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम की विजय ने सिद्ध किया है कि सतत प्रयास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। महिला सदस्यों योगिता कुमारी, डॉ. रीना कुमारी, पुष्पा कुमारी विश्वकर्मा, मनीषा प्रिया, विनीता राम और जुबती कुमारी ने कहा कि महिलाओं के सम्मान में ही मानव सभ्यता का सम्मान है।

धनबाद में बंदरों का जानलेवा आतंक, एक सप्ताह में 56 से ज्यादा लोग घायल

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। कोयला नगरी धनबाद में इन दिनों बंदरों का आतंक शहरवासियों के लिए एक बड़ी समस्या और खतरे का सबब बन गया है। बंदरों के अचानक और लगातार हमलों के कारण लोग दहशत में हैं और घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार पिछले एक सप्ताह में 56 से अधिक लोग बंदरों के हमले का शिकार हो चुके हैं। हमले के शिकार होने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें चेहरे, हाथ और पैरों पर गहरी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बंदर गलियों, बाजारों और आवासीय इलाकों में झुंड बनाकर घूम रहे हैं और राहगीरों पर अचानक हमला कर रहे हैं। जिससे अफरा-तफरी का माहौल है। स्थिति तब और भी अधिक गंभीर हो गई है जब इलाज से जुड़ी एक चिंताजनक खबर सामने आई।



शहर के सबसे बड़े स्वास्थ्य केंद्र, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में एंटी-रेबीज वैक्सीन का स्टॉक पूरी तरह से समाप्त हो गया है। इसके कारण बंदरों के काटने से घायल हुए लोग इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। मेडिकल कॉलेज में वैक्सीन खत्म होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में पीड़ित इलाज के लिए सदर अस्पताल, धनबाद पहुंचने लगे हैं। इस संबंध में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार ने रविवार को बताया कि सदर अस्पताल में भी वैक्सीन की सीमित मात्रा ही उपलब्ध है। मरीजों की अप्रत्याशित रूप से बढ़ती संख्या के कारण अब सदर अस्पताल के स्टॉक पर भी भारी दबाव पड़ गया है।

दहशत में जी रहे स्थानीय लोगों ने अब जिला प्रशासन और वन विभाग से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बंदरों की पकड़ने के लिए शीघ्र अभियान चलाया जाए, अन्यथा हमलों की यह स्थिति और भी अधिक भयावह हो सकती है।

सारंडा को सेंचुरी घोषित करने के विरोध में 16 नवम्बर को रेल-सड़क मार्ग रहेगा बंद



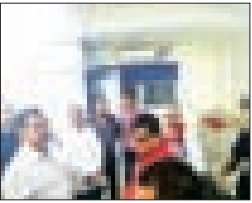
पश्चिमी सिंहभूम। सारंडा क्षेत्र को सेंचुरी घोषित किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में स्थानीय आदिवासी-मूलवासी समुदाय ने आंदोलन तेज कर दिया है। इसी क्रम में 16 नवम्बर को सारंडा क्षेत्र में रेल और सड़क दोनों मार्गों की आर्थिक नाकेबंदी की घोषणा रविवार को की गई है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा है कि उस दिन सारंडा से एक भी ट्रेला खनिज बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। झारखंड आंदोलनकारी बुधवार लागुरी ने कहा कि सरकार द्वारा सारंडा को सेंचुरी घोषित करने का प्रयास आदिवासियों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में जबरन आईपीसी और सीआरपीसी की धाराएं लागू की जा रही हैं, जो संविधान की भावना के विपरीत है। लागुरी ने मांग की कि झारखंड की पाँचवीं अनुसूची को पूरी शक्ति के साथ लागू किया जाए ताकि आदिवासियों के स्वशासन और अधिकारों की रक्षा हो सके। लागुरी ने यह भी कहा कि सारंडा को सेंचुरी घोषित करने या इस पर सुप्रीम कोर्ट में कोई निर्णय देने से पहले राज्यपाल और राष्ट्रपति की राय लेना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों संवैधानिक पद संविधान में निहित प्रावधानों के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं, जिससे आदिवासी समुदाय के हितों को नुकसान पहुंच रहा है। सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएसी) को अनुसूचित जनजातियों से जुड़े सभी मामलों पर राज्यपाल को सलाह देनी चाहिए और उसी के बाद सरकार को सारंडा को सेंचुरी घोषित करने पर विचार करना चाहिए। सभा के दौरान कोल्हान-पोड़ाहाट, सारंडा बचाओ समिति का गठन किया गया। समिति में लागोड़ा देवगम को अध्यक्ष, अमर सिंह सिद्धू, बिरसा मुंडा और बामिया माझी को उपाध्यक्ष, बुधराम लागुरी को महासचिव तथा कुसु देवगम को सचिव चुना गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आदिवासी और मूलवासी समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और एक स्वर में सारंडा बचाओ का संकल्प दोहराया।

बाबूलाल सोरेन को बैल कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान : चंपाई सोरेन

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव का शोर रविवार शाम थम गया। अब प्रत्याशी केवल घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साध सकेंगे। इस चुनाव का परिणाम भले ही झारखंड सरकार की स्थिरता पर असर न डाले, लेकिन यह मुकाबला राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदल चुका है। एक ओर स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन हैं, जो झामुमो से अलगा होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। चुनावी प्रचार के अंतिम दिन घाटशिला में एटमॉस्फियर रिसोर्ट में भावुक होते हुए चंपाई सोरेन ने प्रेस वार्ता में कहा कि यह चुनाव उनके

बेटे बाबूलाल सोरेन का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी जिंदगी का हर पल उस पार्टी (झामुमो) को मजबूत करने में लगाया, जिसके लिए हमने जंगलों में संघर्ष किया। लेकिन आज उसी पार्टी के मुखिया ने हमारे समाज, हमारी अस्मिता का अपमान किया है। बाबूलाल सोरेन को बैल कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। पूर्व मुख्यमंत्री की आंखें भर आई जब उन्होंने कहा, हम आदिवासी हैं, हमारे पास दिल है, सम्मान है, भावनाएं हैं। सत्ता के नशे में कोई भी व्यक्ति यह भूल जाए कि हम अपमान सह लेंगे, यह उसकी भूल होगी। मैं घाटशिला की जनता से

अपील करता हूँ कि वे इस अपमान का जवाब वोट की चोट से दें। चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में आदिवासी बेटियों की सुरक्षा खतरे में है, जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है, परंतु सत्ता में बैठे लोग इन गंभीर मुद्दों पर मौन हैं। वे जनता की समस्याओं का समाधान करने की बजाय दूसरों को नीचा दिखाने में व्यस्त हैं। उन्होंने जनता से भावुक अपील करते हुए कहा, यह चुनाव मेरे लिए राजनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि अपने स्वाभिमान और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का प्रश्न है। मैं जनता से विनती करता हूँ कि वे झारखंड की आत्मा की रक्षा के लिए मतदान करें।



धनबाद में व्यापारी पर हमला, गोली चलाकर की लूटपाट, एक घायल

धनबाद। शहर के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित कृषि बाजार मंडी परिसर में रविवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब स्थानीय व्यापारी श्याम भीमसरिया पर तीन अज्ञात अपराधियों ने हमला कर दिया। अपराधियों ने व्यापारी के साथ मारपीट की और गोली चलाकर दहशत फैला दी। घटना के बाद घायल व्यापारी को आनन – फानन में जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, श्याम भीमसरिया मंडी परिसर में अपनी रिफाइन की दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उन्हें रोककर लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया और कई राउंड फायरिंग की। हालांकि गोली व्यापारी को नहीं लगी, लेकिन बदनमांशों ने बंदूक की नोक से उनके सिर और कान के पास वार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद अन्य व्यापारियों ने घायल श्याम को तत्काल जालान अस्पताल पहुंचाया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। व्यापारी समुदाय में इस घटना के बाद भारी आक्रोश है। मंडी परिसर के कई व्यापारियों ने कहा कि अपराधियों के हाँसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जबकि पुलिस सुरक्षा के दावे सिर्फ कागजों तक सीमित है। व्यापारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि श्याम भीमसरिया जी रोज की तरह दुकान बंद कर घर जा रहे थे। तभी तीन की संख्या में अपराधियों ने घात लगाकर उनपर हमला कर दिया। गोली भी चलाई जो किस्मत से उन्हें नहीं लगी, लेकिन उन्होंने बंदूक की बट से वार कर घायल कर दिया, जिससे सिर पर गंभीर चोट आई है। वहीं एक अन्य व्यापारी ने बताया कि हम लोग वेबर के कार्यक्रम से लौट ही रहे थे कि खबर आई कि मंडी में छिनटई हुई है और गोली चली है। यह बेहद चिंताजनक है। इधर व्यापारी संघ ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। मौके पर सिटी एस पी ऋतविक श्रीवास्तव, डी एस पी हेडवॉटर 1 शंकर कामती धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडेय के अलावा चेतन गोनयका अनील अग्रवाल के अन्य पदाधिकारी एवं काफी संख्या में सादरस्थान अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने घटना स्थल से खोखा भी बरामद किया है, इस बाबत सिटी एस पी ने कहा की जिसने भी यह अपराध किया है वो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। पुलिस किसी भी कीमत पर उसे नहीं छोड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा की पुलिस को घटना से सम्बंधित सुराग मिला है। जिसके आधार पर दो दिन के अंदर रिजल्ट सामने आएगा। डी एस पी शंकर कामती ने बताया की घटना स्थल का पुलिस के द्वारा मुआिना किया गया है जिस रास्ते से अपराधी घटना को अंजाम देकर भागे है उस रास्ते में पड़ने वाले जितने भी सी सी टी भी हैं उसके फूटज की जांच की जा रही है। जल्द ही अपराधी पुलिस के गिरफ्त में होगा।

भाई की हत्या में मेरा नाम आना जीवन का सबसे बड़ा दुख : पूर्व विधायक

धनबाद। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह ने रविवार को अपनी चुपची तोड़ते हुए अपने जीवन की सबसे बड़ी पीड़ा को सार्वजनिक रूप से साझा किया। उन्होंने कहा कि- मेरे जीवन का सबसे बड़ा दुख यह रहा कि मेरे ही भाई नीरज सिंह की हत्या के मामले में मेरा नाम आ गया। हम दोनों ने बचपन साथ खेलते-कूदते बिताया, बड़े हुए, और एक-दूसरे के बेहद करीब थे। ऐसे में यह मेरे सोच से परे था कि उस दुखद घटना में मेरा नाम जोड़ा जाएगा। संजीव सिंह ने बताया कि नीरज सिंह की हत्या एक बेहद दुखद और चिंताजनक घटना थी। मैंने स्वयं इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने आगे बताया कि राजनीति में सक्रिय होने के बाद



परिवार और परिचितों से दूरी बढ़ गई थी, जिसे अब धीरे-धीरे कम करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रकरारों से भी दूरी थी, अब उस

दूरी को खत्म करने की कोशिश कर रहा हूँ। संजीव सिंह ने कहा कि वे 2017 में जेल गए थे और 2019 में

अपनी पत्नी एवं झरिया की पूर्व विधायक रागिनी सिंह के माध्यम से संदेश भिजवाया था कि लोगों के बीच रहकर जनभावना को समझें

और जनता का कार्य करें। रागिनी चुनाव हारने के बाद भी जनता के बीच सक्रिय रही। हमारे परिवार की राजनीतिक परंपरा सिर्फ चुनाव लड़ना करीब नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यों के जरिए लोगों की सेवा करना रही है। अपने स्वास्थ्य को लेकर संजीव सिंह ने कहा कि उनका स्वास्थ्य अनकूल होने के बाद ही वह भविष्य की राजनीतिक दिशा पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा, राजनीति में बने रहना ही बड़ी बात है। जीवन में बहुत कुछ सहा है, लेकिन सच्चाई एक दिन जरूर सामने आएगी। संजीव सिंह ने कहा कि हत्या का आरोप लगने के बाद उनके लिए यह समय बेहद पीड़ादायक रहा। हम पांच भाई और 13 बहनें हैं। इस परिवार में ऐसा आरोप लगना मुझे तोड़ गया। मैं आज तक नहीं समझ पाया कि

मुझ पर यह आरोप क्यों लगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2019 में सीबीआई जांच के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। यह मामला करीब दो साल तक हाईकोर्ट में लंबित रहा। 2023 में अदालत ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था, लेकिन राज्य सरकार ने सीबीआई को जांच की जरूरत नहीं है। संजीव सिंह ने कहा कि वे इस मामले पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहते, पर इतना जरूर कहना चाहेंगे कि सच्चाई एक दिन सामने आएगी और न्याय मिलेगा। बताते चले कि पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह सहित चार की हत्या वर्ष 2017 में हुई थी जिसे आप तत्कालीन झरिया विधायक और भाई संजीव सिंह ने लगा था।

कांग्रेस के आरोप झूठ का पुलिंदा-भाजपा ने किया पलटवार, कहा दुल्लू महतो जनसेवा का प्रतीक

नवप्रदेश/बोकारो। कांग्रेस जिला अध्यक्ष जवाहरलाल महथा द्वारा धनबाद सांसद दुल्लू महतो पर लगाए गए आरोपों को भाजपा नेताओं ने झूठ, मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित बताया है। भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय की पत्रकार वार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि सांसद दुल्लू महतो की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर कांग्रेस नेता ओछी और भ्रामक राजनीति पर उतर आए हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि बालू कारोबार से वसूली का कांग्रेस का आरोप आसमान में थूकने जैसा है। राज्य में कांग्रेस समर्थित सरकार होने के बावजूद ऐसे आरोप हास्यास्पद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता हिस्सेदारी न मिलने से बौखलाए हुए हैं। भाजपा ने कहा कि सांसद दुल्लू महतो पर दर्ज मुकदमे उनके संघर्षशील जननेता होने का प्रमाण हैं और अधिकांश मामलों में वे न्यायालय से बरी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं पर कोई मुकदमा इसलिए नहीं होता क्योंकि वे जनता की नहीं, अप्सरों की सेवा में लगे रहते हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर शहीद प्रेम महतो प्रकरण में झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि शहीद परिवार को 50 लाख मुआवजा दिलाने का श्रेय दुल्लू महतो को जाता है। साथ ही बालीडीह गुडसाइड में कोयले के काले कारोबार पर कांग्रेस से जवाब मांगा। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष को जमीन दलाली और निजी स्वार्थ में लिप्त बताया तथा उनके अस्पताल संचालन को जनसेवा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का केंद्र करार दिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि जनता अब कांग्रेस की झूठी बयानबाजियों और राजनीतिक नौटंकी को भलीभाँति समझ चुकी है। भाजपा जनता की सेवा, पारदर्शिता और विकास के लिए सतत संघर्षरत रहेगी।

सेक्टर-12ए इस्पात विद्यालय परिसर में मिली शव, इलाके में सनसनी

नवप्रदेश/बोकारो। सेक्टर-12ए स्थित इस्पात विद्यालय परिसर में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने विद्यालय के ग्राउंड के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा। सुबह टहलने निकले लोगों ने शव मिलने की सूचना तुरंत सेक्टर-12 थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र राणा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू की। अचानक मिली मौत की खबर से विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान बहादुर नामक व्यक्ति के रूप में की, जो क्षेत्र में रात में गश्ती का कार्य करता था। शव के पास से मिली टॉच और वर्दी से यह स्पष्ट हुआ कि वह रात्रि सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला ऊपर की मंजिल से गिरने का प्रतीत होता है। आसपास की इमारतों और विद्यालय भवन का निरीक्षण किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल मृतक की पूरी पहचान और उसके परिजनों की जानकारी पुलिस जुटा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बहादुर को केवल रात के समय ड्यूटी करते देखा जाता था, लेकिन उनके परिवार या मूल निवास के बारे में कोई जानकारी नहीं है।



विवाहिता के खुदकुशी मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत लरियाडीह में एक विवाहिता के खुदकुशी मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गांव में पूजा देवी (24) ने शुक्रवार की रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में मृतका के पिता बाबूलाल ठाकुर ने कोडरमा थाना में रविवार को मामला दर्ज कराया है। दर्ज मामले में बेटी को सुसाइड करने के लिए मजबूर करने को लेकर लरियाडीह निवासी 22 वर्षीय धोनी यादव, सदानंद यादव और विजय यादव को आरोपित बनाया है। दिए आवेदन में बाबूलाल ठाकुर ने कहा कि धोनी यादव पिछले दो माह से अवैध संबंध बनाने के लिए मेरी बेटी को ब्लैकमेल कर रहा था और नहीं करने पर जान मारने की धमकी दे रहा था। उन्होंने कहा कि यह जानकारी मेरी बेटी के द्वारा मायके आने पर दिया गया। मामले की जानकारी पर मैं अपने दामाद का बंगलुरु से आने का इंतजार कर रहा था ताकि धोनी यादव से पूछताछ कर सकें। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी धोनी के टॉर्चर में आकर जान दे दी और घर वालों को पता नहीं था। घटना की जानकारी भी धोनी यादव के द्वारा ही सबको दिया गया। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की गई। कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि इस मामले में प्राथमिक दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

युवक की ट्रेन से गिरकर हुई मौत

कोडरमा। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत यदुडीह ब्लॉक हॉट के समीप एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई है। मृतक की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के गण्डणी निवासी 30 वर्षीय बुधन खान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बुधन खान शनिवार को पिपको स्थित अपनी बहन के घर आया हुआ था। वहीं रविवार को वह आसनसोल- वाराणसी पैसेंजर से यदुडीह हॉल्ट से गण्डणी अपने घर जा रहा था। इसी बीच ट्रेन में उसका संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह यदुडीह हाल्ट के समीप तिलोकरी के पास बन रहे रेलवे अंडरपास के समीप ट्रेन से नीचे गिर गया। इधर ट्रेन के गण्डणी पहुंचने के पश्चात भी जब बुधन खान अपने घर नहीं पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसकी बहन को फोन कर उसके बारे में जानकारी ली। इसके पश्चात बुधन की बहन ने बुधन के मोबाइल पर कॉल किया, उसके मोबाइल में रिंग होने के पश्चात उस ओर से गुजर रहे किसी राहगीर ने उसका फोन उठाया और उसकी बहन को घटना की जानकारी दी। इसके पश्चात मृतक के बहन और बहनवर्धन चला स्थल पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। घटना की जानकारी मिलते ही जयनगर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करके परिजनों को सौंप दिया गया। इधर घटना के पश्चात मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

वॉकथॉन और जागरूकता अभियान के साथ एम्यूटेशन मुक्त भारत दिवस मनाया गया

पूर्वी सिंहभूम। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय पहल के अनुसार, टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ने रोके जा सकने वाले अंग विच्छेदन की रोकथाम के लिए शीघ्र निदान और उचित वैस्कुलर चिकित्सा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को एक वॉकथॉन और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करके एम्यूटेशन मुक्त भारत दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य पेशेवरों, छात्रों, सहायक कर्मचारियों और आम जनता सहित लगभग 300 व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथॉन के बाद टाटा मेन हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा वैस्कुलर हेल्थ और समय पर चिकित्सा परामर्श के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक में वास्तविक जीवन के ऐसे परिदृश्यों को उजागर किया गया जिसमें दिखाया गया कि कैसे वैस्कुलर रोगों के शुरूआती लक्षणों की उपेक्षा से अंग विच्छेदन सहित गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं। इस कार्यक्रम में टाटा स्टील के वरिष्ठ नेतृत्व और चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित थे, जिन्होंने डॉ. विनीता सिंह, जेनेरल मैनेजर, मेडिकल सर्विसेज, डॉ. अशोक सुंदर, चीफ मेडिकल, इंडोर सर्विसेज, डॉ. ममता रथ दत्ता, चीफ मेडिकल, सपोर्ट सर्विसेज, डॉ. प्रशांत रमन, वैस्कुलर और एंडोवैस्कुलर सर्जन एवं कंसल्टेंट मेडिकल इंडोर सर्विसेज और टाटा वर्कर्स यूनिनयन के उपाध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शामिल थे, जिन्होंने सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारत में अंग हानि के बोझ को कम करने के लिए जन शिक्षा, जीवनशैली में बदलाव और शीघ्र चिकित्सा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने एम्यूटेशन मुक्त भारत के लिए सामूहिक शपथ ली, जिसमें वैस्कुलर स्वास्थ्य और निवारक देखभाल के बारे में जागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता भी शामिल थी। इस कार्यक्रम को समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जो इस उद्देश्य के प्रति सार्वजनिक सहभागिता और जागरूकता को दर्शाता है। इस पहल के माध्यम से, टाटा मेन हॉस्पिटल और वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया ने सुलभ और निवारक वैस्कुलर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के अपने साझा मिशन को सुदृढ़ किया है, जो एम्यूटेशन मुक्त भारत की दिशा में एक सार्थक कदम है।

उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़: नए राज्यों की बेमिसाल प्रगति के 25 साल

सियाराम पांडेय ‘शांत’

1 नवंबर 2000 को ये तीनों राज्य अस्तित्व में आए थे। यह और बात है कि प्रगति के मामले में ये राज्य, उन राज्यों को चुनौती दे रहे हैं जिनसे अलग होकर ये अस्तित्व में आए। 25 साल का समय वैसे तो बहुत ज्यादा नहीं होता लेकिन अगर दूरदर्शिता और लगन से काम किया जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। देश में समय-समय पर नये राज्यों की मांग के पीछे कमोबेश यही तर्क उठता रहा कि छोटे राज्य बनने पर वहां बेहतर प्रशासन तो होगा ही, उनका प्रमुखता से विकास भी हो सकेगा। तीनों राज्यों के 25 साल के अनुभव इस तथ्य पर मुहर लगाते नजर आते हैं।



देश के तीन राज्यों उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वसंत पूरे कर लिए हैं। 1 नवंबर 2000 को ये तीनों राज्य अस्तित्व में आए थे। यह और बात है कि प्रगति के मामले में ये राज्य, उन राज्यों को चुनौती दे रहे हैं जिनसे अलग होकर ये अस्तित्व में आए। 25 साल का समय वैसे तो बहुत ज्यादा नहीं होता लेकिन अगर दूरदर्शिता और लगन से काम किया जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। देश में समय-समय पर नये राज्यों की मांग के पीछे कमोबेश यही तर्क उठता रहा कि छोटे राज्य बनने पर वहां बेहतर प्रशासन तो होगा ही, उनका प्रमुखता से विकास भी हो सकेगा। तीनों राज्यों के 25 साल के अनुभव इस तथ्य पर मुहर लगाते नजर आते हैं।

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में प्रचुर प्राकृतिक संपदा है लेकिन इसका लाभ राज्य के पुनर्गठन से पूर्व स्थानीय लोगों को कितना मिल पाता था, यह किसी से छिपा नहीं है। इसी तरह झारखंड की खनिज संपदा का लाभ बिहार को मिलता था। उत्तराखंड के शासन की कमान वहां से 600 किलोमीटर दूर लखनऊ के हाथ में हुआ करती थी। राजधानी दूर होने की पीड़ा से तीनों ही राज्यों के नागरिक जूझ रहे थे। इन तीनों राज्यों के निर्माण के पीछे जो उभरनिष्ठ भावना थी, वह यह कि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश का उस समय दायरा बहुत बड़ा था। इससे वहां क्षेत्रीय असंतुलन, राजधानी की दूरी, विकास की कच्छप गति और स्थानीय संस्कृति एवं पहचान की

उपेक्षा सामान्य बात थी लेकिन नए राज्यों के गठन के बाद तीनों राज्यों ने प्रमुखता के साथ विकास के क्षेत्र में फराटें पारी हैं। देश में बिजली उत्पादन में छत्तीसगढ़ जहां नौवें स्थान पर पहुंच गया है, वहीं उसकी बेरोजगारी दर जहां 2001 में 5.8 प्रतिशत और गरीबी दर 49.4 प्रतिशत थी। अब यह घटकर क्रमशः 2.4 और 17.9 प्रतिशत हो गई है जबकि यहां की प्रति व्यक्ति आय भी वर्ष 2001 के मुकाबले वर्ष 2025 में 12240 रुपये से बढ़कर 1.40 लाख रुपये हो गई है। मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर तब 2.3 प्रतिशत और गरीबी दर 48.6 प्रतिशत थी। आज छत्तीसगढ़ की बेरोजगारी दर आधी से ज्यादा घटकर 20.6 प्रतिशत रह गई है। राज्य स्वास्थ्य सूचकांक के लिहाज से देखें तो छत्तीसगढ़ भारत के 10

शीर्ष राज्यों में है।

उत्तराखंड

बिजली उपलब्धता के क्षेत्र में उत्तराखंड इतिहास रच रहा है। उत्तराखंड जब बना था तो वहां 65 प्रतिशत घरों में बिजली थी, आज 99 प्रतिशत से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति हो रही है। उत्तराखंड का सड़क संजाल 84 प्रतिशत तक बढ़ा है। उत्तराखंड में बजट का आकार भी 30 गुना तक बढ़ गया है। पर्यटन, उत्पादन और सेवा क्षेत्र में यहां जबरदस्त सुधार हुआ है। राज्य की सकल घरेलू आय का 14 फीसद हिस्सा पर्यटन से प्राप्त होता है। अविभाजित उत्तर प्रदेश के हालात पर विचार करें तो उस समय वहां गरीबी दर 41 प्रतिशत थी, जो अब 23 प्रतिशत है जबकि उत्तराखंड में गरीबी दर 8.6

फीसद है। पुनर्गठन के आरंभिक साल में उत्तराखंड की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 15 हजार के करीब थी, आज यह बढ़कर दो लाख सताईस हजार हो गई है। मतलब राष्ट्रीय औसत आय से लगभग दोगुनी। वर्ष 2002-03 में उत्तराखंड की पहली निर्वाचित कांग्रेस सरकार के मुखिया एनडी तिवारी ने 5,880 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया था। यह राज्य के रूप में उत्तराखंड की पहली बड़ी वित्तीय योजना थी। इसके बाद 25 वर्षों के दौरान बजट का आकार निरंतर बढ़ता गया और इस वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने 1,01,175 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया है। इस दौरान राज्य की वित्तीय नीतियों, उद्योगों और पर्यटन क्षेत्र में निवेश ने आर्थिक ढांचे को निश्चित रूप से अभिनव दिशा दी है। इन 25 वर्षों में उत्तराखंड की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों ने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। सच तो यह है कि उत्तराखंड अब आर्थिक प्रगति के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो गया है। राज्य की स्थापना के वक्त उत्तराखंड में बढ़ता शहरीकरण काबिले तारीफ है लेकिन इसके अपने भविष्य के खतरे भी हैं। नीति निर्वाताओं को अभी से इस पर विचार करके आगे बढ़ना होगा। राज्य में कुल 63 शहर थे, जो अब बढ़कर 110 हो गए हैं। राज्य में शहरों के खाते में अगर कई उपलब्धियां हैं, तो अनेक चुनौतियां हैं। इस बात को नकारा नहीं जा सकता। जिस तेजी के साथ पर्यटकों

की तादाद बढ़ी है, उसे संभाल पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकार को देर-सबेर इसका हल तो निकालना ही होगा।

झारखंड

बिहार के दक्षिणी जिलों को काटकर बनाए गए झारखंड ने भी 25 साल में बेमिसाल तरक्की की है। आज वह घरेलू पर्यटन में बिहार से कहीं आगे खड़ा है। खनन से उसकी आय देश के किसी भी राज्य से सर्वाधिक ज्यादा है। उसके पूंजीगत व्यय पर गौर करें तो वह देश के औसत से डेढ़ गुना है। झारखंड का बजट विगत 25 साल में 13 गुना बढ़ गया है। अगर यह कहें कि झारखंड की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। झारखंड की प्रशासनिक क्षमता का विस्तार 18 से 24 जिलों तक हुआ है। पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ गया है। बिजली और संचार व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव आया है। इससे आम जनजीवन सरल और सहज हुआ है। रांची, देवघर, और बोकारो जैसे महत्वपूर्ण शहर हवाई मार्ग से जुड़ चुके हैं। झारखंड के राष्ट्रीय मानचित्र पर तेजी से उभरने का प्रमाण है। यह और बात है कि कोयला राजधानी धनबाद को अभी भी एयरपोर्ट जैसी बुनियादी सुविधा का इंतजार है। देवघर का बाबाधाम, पारसनाथ, नेतरहाट, और रजरणा जैसे स्थल कोल्हान और छोटानागपुर की प्राकृतिक सुंदरता के लिहाज से देश- दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहे हैं और राज्य के पर्यटन राजस्व

का बड़ा स्रोत बने हुए हैं।

नये राज्यों ने दिखाई नई राह

नवनिर्मित राज्यों ने विगत 25 साल में देश को दिखा दिया है कि वे बेरोजगारी पर अंकुश लगा सकते हैं तो साक्षरता दर में इजाफा भी कर सकते हैं। आय के नए साधन, संसाधन, के स्रोत तलाश सकते हैं और अपनी असमानता में चार चांद लगा सकते हैं लेकिन इन नए राज्यों के सामने अपनी चुनौतियां भी है। उत्तराखंड को हर साल प्राकृतिक चुनौतियों से रूबरू होना पड़ता है लेकिन क्या वह इन चुनौतियों से निपटना सीख पाया है, यह अपने आप में अहम सवाल है। पर्वतीय और तराई क्षेत्रों के बीच आय की असमानता और गांवों तक संपर्क सुविधा बनाने का काम अभी भी उसे करना है। निर्विवाद रूप से कहना होगा कि शिक्षा क्षेत्र में वह झारखंड और छत्तीसगढ़ से बहुत आगे है। आज उत्तराखंड के पास चार केंद्रीय विश्वविद्यालय, पांच राज्य विश्वविद्यालय, चार डीम्ड विश्वविद्यालय और पांच निजी विश्वविद्यालय हैं। उसके अनेक शिक्षा संस्थान तो देश-विदेश में काफी अहमियत रखते हैं। रूड़की विश्वविद्यालय और पं. गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ख्याति और प्रतिष्ठा पूरे एशिया में है। कुल मिलाकर विचार करें तो नए बने इन तीन राज्यों ने देश को सीख दी है कि विकास के लिए बड़े राज्यों को छोटे-छोटे राज्यों में बांटकर विकास को कहीं अधिक व्यवस्थित रूप में हस्तगत किया जा सकता है।

हरियाणा में ‘वोट चोरी’विवाद: राजनीतिक सवालों के बीच लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर बहस



गोविन्द कुमार मिश्रा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने जहां सरकार गठन का रास्ता साफ किया, वहीं इसके बाद एक नई राजनीतिक बहस ने जोर पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राज्य में बड़े पैमाने पर वोट चोरी कर चुनाव परिणामों को प्रभावित किया गया। राहुल गांधी के इन आरोपों ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर चर्चा को नया स्वर दिया है।

परंतु इन गंभीर आरोपों के बीच कई सवाल भी उभर रहे हैं—क्या यह मुद्दा



वास्तविक लोकतांत्रिक चिंताओं से जुड़ा है, या फिर चुनावी हार के बाद राजनीतिक लड़ाई का नया मोर्चा? राहुल गांधी ने दावा किया कि एक वृद्ध महिला का नाम मतदाता सूची में 220 बार दर्ज पाया गया। यह आरोप मुलाना विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा है। दिलचस्प तथ्य यह है कि इस सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। विशेषज्ञों का कहना है कि जिस क्षेत्र में जीत मिली, उसी को धांधली का प्रमाण बताना विरोधाभासी प्रतीत होता है। यह चुनावी गलती प्रशासनिक

त्रुटि हो सकती है, पर इसे सुनियोजित षड्यंत्र मानने से पहले आवश्यक प्रक्रिया और तथ्य देखना जरूरी है। दूसरा मुद्दा बैलेट पेपर और एष्ट को लेकर है। राहुल गांधी का कहना है कि बैलेट पेपर से पड़े मतों में कांग्रेस को बढ़त थी, जबकि एष्ट में परिणाम उलटे रहे। चुनाव आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में बैलेट पेपर का उपयोग कुल मतों के केवल 0.57% पर हुआ। ऐसे में इतना छोटा हिस्सा कुल परिणाम का आधार नहीं हो सकता। एग्जिट पोल्स का हवाला भी राहुल गांधी ने

दिया, लेकिन एग्जिट पोल अनुमान पर आधारित होते हैं और करें बार वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खाते। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वे और मतगणना के परिणामों में अंतर को धांधली का प्रमाण मान लेना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ से परे है। सबसे बड़ा आरोप—25 लाख वोट चोरी—पर भी सवाल उठ रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार अंतिम मतदाता सूची जारी करने से पहले 4.16 लाख दावों और आपत्तियों की जांच की गई थी।

इस प्रक्रिया में सभी पार्टियों के बूथ स्तर एजेंट शामिल थे। आयोग का कहना है कि यदि किसी भी स्तर पर व्यापक धांधली होती, तो आधिकारिक आपत्तियों और शिकायतों का रिकॉर्ड सामने आता राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस विवाद के बीच युवा मतदाता एक प्रमुख लक्ष्य दिखाई देता है।

राहुल गांधी अपने बयानों में बार-बार युवाओं को संबोधित करते हैं और कहते हैं कि आपका वोट और आपका भविष्य छीना गया है। इससे युवाओं में अविश्वास और असंतोष पैदा होने की आशंका बनी रहती है।

भारतीय चुनाव प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी और संगठित लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में मानी जाती है। चुनाव आयोग ने विभिन्न तकनीकी प्रणालियों, निगरानी तंत्र और न्यायिक संरक्षण के साथ निर्वाचन की निष्पक्षता को निरंतर मजबूती दी है। एष्ट की विश्वसनीयता पर सुप्रीम कोर्ट भी अपनी सहमति दे चुका है। यह सच है कि हर चुनाव में त्रुटियां हो सकती हैं, शिकायतें भी आती हैं। परंतु किसी चुनावी प्रक्रिया को विवादित बनाने के लिए ठोस तथ्य आवश्यक होते हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि इस विवाद से दो बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं—

- लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कम होना
- राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ती अविश्वास की संस्कृति

हरियाणा के सबसे करीबी मुकाबलों में कांग्रेस ने अधिक सीटें जीती हैं, इससे यह भी साबित होता है कि करीबी नतीजे किसी एक पार्टी के खिलाफ नहीं गए। मतदाता ने जहां अवसर देखा, वहां बदलाव भी चुना और विरोध भी। भारतीय लोकतंत्र सहमति और मतभेद दोनों की ऊर्जा से चलता है। राजनीतिक दलों को आरोपों और जवाबों के बीच संतुलन बनाए रखना होगा, ताकि संस्थाओं की साख और जनता के विश्वास पर कोई आंच न आए। वोट चोरी का यह विवाद आगे किसे दिशा में जाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। परंतु यह भी सच है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत—जनता का भरोसा—किसी राजनीतिक बयान से अधिक महत्वपूर्ण है।

वैश्विक वित्तीय अनुशासन में भारत का उदय

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की नवीनतम रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब वैश्विक वित्तीय अनुशासन का अनुयायी नहीं रहा है, वह अब उससे एक कदम आगे उसकी दिशा निर्धारित करने वाला देश बन चुका है। ह्रंसंपति पुनर्प्राप्ति मार्गदर्शन तथा श्रेष्ठ अभ्यासह्व (एसेट रिकवरी गाइडेंस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज) शीर्षक से जारी यह दस्तावेज अंतरराष्ट्रीय वित्तीय अपराध नियंत्रण की सोच में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। इसमें भारत और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जिस तरह प्रशंसा की गई है, वह संस्थागत सफलता का प्रमाण है और पारदर्शी शासन तथा उत्तरदायी प्रशासन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यहां उल्लेखित है कि पिछले तीन दशकों में पहली बार एफएटीएफ ने किसी विकासशील देश को वैश्विक नीतिगत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का श्रेय दिया है। भारत ने घरेलू स्तर पर आर्थिक अपराधों, ठगी और पोंजी योजनाओं पर नियंत्रण किया है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ बनाने में निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराई है। ह्रंसंपति पुनर्प्राप्ति मार्गदर्शनह्व के प्रारूप को तैयार करने में भारत ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत अब नीतियों का पालन करने वाला नहीं, उन्हें आकार देने वाला देश बन चुका है।



वस्तुतः एफएटीएफ की नई नीति के अंतर्गत देशों को यह अधिकार प्राप्त होगा कि वे अपराध सिद्ध हुए बिना भी अवैध संपत्तियों को जब्त कर सकें। यह परिवर्तन उन मामलों में उपयोगी सिद्ध होगा जहाँ अपराधी न्यायिक प्रक्रिया से बचने के लिए विदेश भाग जाते हैं या मुकदमे लंबे समय तक चलते रहते हैं। भारत में यह मॉडल पहले ही सफल सिद्ध हुआ है। ईडी ने एग्री गोल्ड निवेश घोटाला, बिटकनेक्ट क्रिप्टो घोटाला और आइआरईओ समूह प्रकरण में संपत्तियाँ जब्त कर प्रभावित निवेशकों को राहत दी है। एफएटीएफ ने इन मामलों को न्याय केंद्रित प्रवर्तन प्रणाली का आदर्श उदाहरण बताया है।

पीड़ित केंद्रित न्याय की भारतीय दृष्टि : इस तरह देखें तो आज

एफएटीएफ के माध्यम से भारत की पीड़ित केंद्रित नीति की वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है। रोज वैली चिटफंड घोटाले और अर्बन सहकारी बैंक धोखाधड़ी के मामलों में संपत्तियाँ जब्त की गईं और हजारों निवेशकों को उनका धन वापस मिला। यह भारत की न्याय व्यवस्था की नई सोच का प्रतीक है, जो आर्थिक अपराध को विधिक उल्लंघन से आगे बढ़कर सामाजिक विश्वासघात के रूप में देखाती है। यह दृष्टिकोण अपराधियों को दंडित करने के साथ ही आम नागरिकों में वित्तीय व्यवस्था के प्रति विश्वास पुनर्स्थापित करता है।

तकनीक और संस्थागत दक्षता: सफलता की रीढ़

भारत की सफलता का आधार

कठोर कानूनों के साथ संस्थागत क्षमता और तकनीकी दक्षता है। एफएटीएफ ने भारत की तकनीक-आधारित जाँच प्रणाली की विशेष रूप से सराहना की है। प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तैयार की गई केंद्रित ठगी निगरानी प्रणाली को वैश्विक स्तर पर एक आदर्श नवाचार माना गया है। इस प्रणाली ने संदिग्ध आर्थिक लेन-देन की पहचान और जाँच प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और पारदर्शी बनाया है। इसके साथ ही भारत के दो प्रमुख कानून, भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), एफएटीएफ की नजर में विश्व स्तरीय विधिक उपकरण हैं।

वस्तुतः पहला कानून उन अपराधियों के खिलाफ असरदार साबित हुआ है जो विदेश भागकर न्याय से बचने का प्रयास करते हैं, जैसे नीरव मोदी और विजय माल्या। दूसरा कानून जाँच, अभियोजन और संपत्ति जब्ती की प्रक्रिया को सशक्त बनाता है। इन दोनों कानूनों ने अपराध नियंत्रण और संपत्ति वसूली का एक ठोस ढाँचा तैयार किया है।

तकनीकी जाँच की सफलता: 17,520 करोड़ का पोंजी प्रकरण

हाल ही में 17,520 करोड़ के पोंजी (निवेश) घोटाले की जाँच में भारत की तकनीकी दक्षता ने विश्व समुदाय को प्रभावित किया है। ईडी ने डेटा विश्लेषण और

डिजिटल फॉरेंसिक की मदद से फर्जी कंपनियों, खातों और धन प्रवाह की पहचान की। एफएटीएफ ने इसे जटिल किन्तु परिणामकारी जाँच का उदाहरण बताया। इस कार्रवाई ने यह संदेश दिया कि भारत अब अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ वैश्विक वित्तीय अपराधों के विरुद्ध एक निर्णायक साझेदार बन चुका है। कहना होगा कि एफएटीएफ की रिपोर्ट आज वास्तव में प्रशंसा के साथ भारत को उसकी जिम्मेदारी का स्मरण भी कराती है। संस्था ने भारत को सुझाव दिया है कि वह अपने जाँच तंत्र को और अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाए। यहां की गई तीन प्रमुख सिफारिशें भी ध?यान देने योग?य हैं। वित्तीय अपराधों की सुनवाई हेतु विशेष न्यायालयों की स्थापना, जाँच एजेंसियों के मानव संसाधनों का विस्तार। त्वरित संपत्ति वसूली प्रणाली का विकास। अब भारत ने इस दिशा में काम आरंभ कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने ह्रंसंपति पुनर्प्राप्ति प्रकोष्ठह्व की स्थापना की घोषणा की है, जो देश और विदेश दोनों स्तरों पर जन्म संपत्तियों की वसूली प्रक्रिया को समन्वित करेगा।

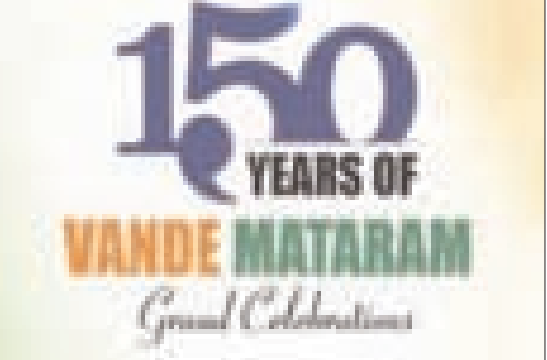
भारत की नीति का वैश्विक प्रभाव

एफएटीएफ ने संकेत दिया है कि भारत की नीतियों का प्रभाव अब एशियाझप्रशांत क्षेत्र से आगे तक पहुंच चुका है। सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया

जैसे देशों ने भारत के साथ सूचना साझाकरण समझौते किए हैं ताकि वे भारत के अनुभव और प्रणालियों से सीख लेकर अपने वित्तीय तंत्र को सुदृढ़ बना सकें। यह भारत की नीति और संस्थागत विश्वसनीयता का प्रमाण है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत अब वैश्विक वित्तीय नैतिकता के निर्माण में एक मार्गदर्शक शक्ति बन रहा है। कुल मिलाकर इस रिपोर्ट से विदेशी निवेशकों का भारत की अर्थव्यवस्था में भरोसा और बढ़ेगा। जब निवेशक यह देखते हैं कि उनकी पूँजी सुरक्षित है और सरकार वित्तीय अपराधों से निपटने में सक्षम है, तो निवेश वातावरण मजबूत होता है। यह स्थिति भारत की आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और हमें इस इश्टिबाह्व जैसी पहलों को नई गति प्रदान करेगी। भारत की यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, कानूनी सुदृढ़ता और तकनीकी नवोन्मेष के समन्वय से आर्थिक अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

एफएटीएफ द्वारा भारत को आदर्श देश कहकर संबोधित किया जाना प्रशंसा के साथ भविष्य की दिशा भी दर्शाता है। अब भारत को इस विश्वास को स्थायी बनाना है। नीतियों और संस्थागत संस्कृति दोनों में पारदर्शिता को गहराई से स्थापित करना होगा। हम उम्मीद करें, इसी मार्ग पर चलते हुए भारत एक प्रबल अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वैश्विक वित्तीय न्याय का नेतृत्वकर्ता बनेगा।

वंदे मातरम : भारत की चेतना का स्वर



वंदे मातरम : यह केवल दो शब्दों का उच्चारण नहीं है, यह तो भारत की आत्मा की अनंत गूंज है। यह उस भावना का प्रतीक है जो प्रत्येक भारतीय के हृदय में अपनी मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम और समर्पण का संचार करती है। इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाखों देशवासियों को प्रेरित तो किया ही, आज भी यह भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक बना हुआ है।

रचना और उद्भव का इतिहास

वंदे मातरम का उद्भव बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की लेखनी से हुआ। उन्होंने 7 नवम्बर 1875 को अपने ऐतिहासिक उपन्यास आनंदमठ में इस गीत की रचना की। यह उपन्यास 1882 में प्रकाशित हुआ और शीघ्र ही पूरे देश में लोकप्रिय हो गया। उस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। ऐसे वातावरण में यह गीत भारतीयों के लिए आशा और आत्मविश्वास का दीपक बना। वंदे मातरम के शब्दों में निहित मातृभूमि की भक्ति ने भारतीयों के हृदय में स्वतंत्रता की चिंगारी जला दी। सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम जैसे शब्द भारत माता के प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्धि की छवि प्रस्तुत करते हैं, वहीं वंदे मातरम का जयघोष मातृभूमि के चरणों में समर्पण का भाव जगाता है।

राष्ट्रीय चेतना का उदय

1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में जब पंडित रवीन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे सुरों में पिरोकर राष्ट्रीय मंच से गाया, तो पूरा सभागार इस गीत की भावनाओं से अभिभूत हो उठा। यह वह क्षण था जब वंदे मातरम राष्ट्रीय चेतना का स्वर बन गया। इसके बाद हर कांग्रेस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से होने लगी। 1905 में जब अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन की घोषणा की, तो इस गीत ने आंदोलन की आत्मा का रूप ले लिया। लाखों लोग सड़कों पर ह्रदयं दे मातरम्ह्व के नारे लगाते हुए अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध एकजुट हो गए। यह गीत अब केवल भक्ति या साहित्य नहीं, बल्कि विद्रोह और आत्मसम्मान की पुकार बन गया था।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

1906 के कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम को आधिकारिक रूप से राष्ट्रगीत का दर्जा मिला। इसके बाद यह हर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन का अभिन्न हिस्सा बन गया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और अन्य नेताओं ने इसे राष्ट्रभक्ति का प्रतीक माना। गांधीजी ने कहा था, वंदे मातरम भारत के हृदय की पुकार है, जिसे कोई भी शक्ति दबा नहीं सकती। क्रांतिकारी आंदोलनों में भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखा। भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानी वंदे मातरम के उद्घोष के साथ फौसी के तख्ते पर झूल गए। बंगाल में तो वंदे मातरम सांदाय तक बना, जिसके सदस्य प्रभात फेरियों में यह गीत गाकर जनमानस में देशभक्ति का संचार करते थे।

अंग्रेजी शासन की प्रतिक्रिया

ब्रिटिश हुकूमत इस गीत के प्रभाव से भयभीत थी। उन्होंने कई बार इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया। स्कूलों और कॉलेजों में वंदे मातरम गाने वाले छात्रों को दंडित किया जाता था। देखने में आया कि यह प्रतिबंध जनता के जोश को दबा नहीं सके। गीत के प्रतिबंधित होने से इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ी। यह ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध भारतीय एकता का प्रतीक बन गया।

स्वतंत्रता के बाद यह स्कूलों, सरकारी आयोजनों, खेलकूद समारोहों, संसद की बैठकों और कई सरकारी अवसरों पर गाया जाता है। जन भावना से जुड़ा यह गीत आज भी भारत की आत्मा की आवाज है। यह गीत हमें बार-बार स्मरण कराता है कि भारत की महानता उसकी विविधता, उसकी संस्कृति और उसकी मातृभूमि के प्रति प्रेम में निहित है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी पीढ़ियों को इस गीत का अर्थ, इतिहास और महत्व समझाएँ। ताकि भारत माता के प्रति निष्ठा, अनुशासन और त्याग की भावना सदैव प्रज्वलित रहे। वंदे मातरम!

अवैध क्लिनिक को लेकर डीसी गंभीर, समय-समय पर चलाया जा रहा अभियान हुसैनाबाद अंचल में दो अवैध क्लिनिक सील, बीते एक सितंबर को जिले भर में हुई थी कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में अवैध रूप से संचालित अवैध क्लिनिकों पर पूर्ण रूप से रोक लगाने को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस गंभीर हैं। इसी को लेकर उन्होंने अंचल अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी और संबंधित थाना प्रभारी को उनके क्षेत्र अंतर्गत संचालित सभी प्रकार के अवैध क्लिनिकों को सील करने हेतु निर्देशित किया है। उपायुक्त के निर्देश के आलोक में बीते एक सितंबर को जिले के सभी सीओ ने अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत संचालित कई क्लिनिकों की जांच कर उन्हें



सील करने की कार्रवाई की गयी थी। इसके अलावे 13 अक्टूबर को हुसैनाबाद अंचल में दो अवैध

क्लीनिक को सील किया गया था। इस क्रम में रविवार को भी हुसैनाबाद अंचल अंतर्गत खुश्वू

क्लीनिक एवं ज्योति चिल्ड्रेन क्लीनिक को भी सील किया गया। रविवार को हुसैनाबाद अंचल

अधिकारी, थाना प्रभारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने दोनों क्लिनिक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों ही क्लिनिक में कई खामियां पायीं गयीं जिसके पश्चात तीनों पदाधिकारियों की मौजूदगी में खुश्वू क्लीनिक एवं ज्योति चिल्ड्रेन क्लीनिक को सील किया गया।

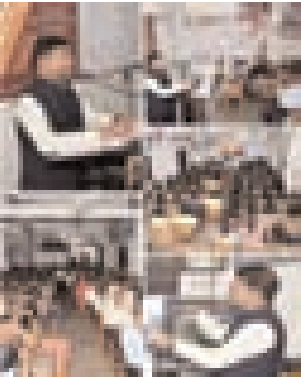
नियम के अनुरूप कार्रवाई नहीं होने पर सील करने की कार्रवाई रहेगी जारी : उपायुक्त

उपायुक्त समीरा एस ने कहा कि जिले में कहीं अभी अवैध रूप से और नियमाुसार क्लीनिक का संचालन नहीं होने पर उस क्लिनिक

को सील करने की कार्रवाई की जायेगी। किसी भी परिस्थिति में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी को लेकर पलामू जिला प्रशासन तत्पर है विे खुद भी स्वास्थ्य केन्द्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति से अवगत हो रही हैं और संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में की जा रही निरीक्षण व कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य लोगों को समयबद्धता के साथ सुरक्षित व मानक अनुरूप चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना है।

संत मरियम स्कूल में शिक्षकों की बैठक, नए सत्र को लेकर बनी रणनीति

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में विद्यालय प्रबंधन द्वारा शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र की रूपरेखा और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री कुमार आदर्श ने की। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि नए सत्र में शिक्षण पद्धति को और प्रभावी बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों की समग्र प्रगति पर विशेष ध्यान देने तथा नवाचारपूर्ण गतिविधियों को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल दिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस वर्ष शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों पर भी विशेष फोकस रहेगा, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। बैठक में सभी शिक्षकों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए और नए शैक्षणिक सत्र को सफल बनाने के लिए मिलजुलकर कार्य करने का संकल्प लिया। उक्त मौके पर उप प्राचार्य एस.बी. शाहा, संत मरियम किट्स स्कूल निदेशक आनंद कुमार, प्रवीण दुबे, सुशंशु दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रिजवाना परवीन, रोशन राज, निकिता गुप्ता, समेत समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद थे।

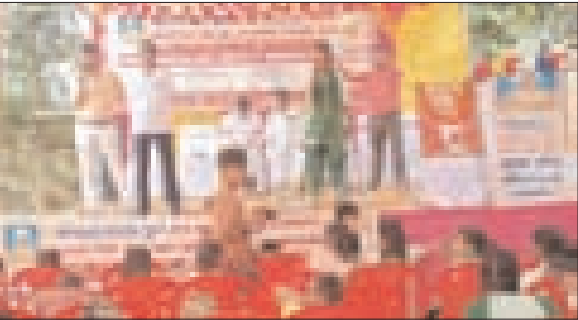


भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

निबंध, भाषण, किंवदंती व सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

नवप्रदेश संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज प्रखंड के खड़गपुर स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनता विकास मंच, खड़गपुर की ओर से आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के सचिव मृत्युंजय कुमार मेहता ने की. दो दिनों तक चले इस आयोजन में निबंध लेखन,



भाषण, किंवदंती प्रतियोगिता, नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन व आदर्शों को प्रस्तुत किया। किंवदंती प्रतियोगिता में आदित्या कुमारी ने प्रथम, रूपा

कुमारी ने द्वितीय एवं विनीता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विजेताओं को संस्था के सचिव मृत्युंजय कुमार मेहता द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रामराज सिंह, श्यामसुंदर मेहता, शिक्षक

कांडी मीडिया हाउस के अध्यक्ष रामरंजन और सचिव बने अनूप



नवप्रदेश/गढ़वा। जिले के कांडी प्रखंड मुख्यालय स्थित निमाणांधीन प्रेस कार्यालय में रविवार को कांडी प्रखंड स्तरीय प्रेस कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से कांडी प्रेस कमेटी का नामांकरण भी किया गया। अब से कांडी प्रेस कमेटी कांडी मीडिया हाउस के नाम से जाना जाएगा। पत्रकारों ने सर्वसम्मति से प्रियरंजन बिजोय को कमेटी का संरक्षक, रामरंजन को अध्यक्ष, विजय कुमार पांडेय को उपाध्यक्ष, अनूप कुमार सिंह को सचिव व श्रवण राम को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। कमेटी के सदस्य के रूप में उपेंद्र नारायण द्विवेदी, दीपक कुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, अरुण कुमार चौबे, विवेक कुमार चौबे, ब्रजेश कुमार पांडेय, साकेत कुमार मिश्रा व राजीव रंजन सिंह को मनोनीत किया गया। मौके पर उपस्थित कांडी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अनूप कुमार, कांडी पंचायत के पूर्व मुखिया सह भाजपा नेता विनोद प्रसाद व युवा समाजसेवी बाबू खान ने कांडी मीडिया हाउस में मनोनीत सभी पदधारी व सदस्यों को माल्यार्पण कर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

निजी खर्च से समाजसेवी विकास माली ने शुरू कराया नाला निर्माण-4 वर्षों से जूझ रही जनता को मिली उम्मीद

नवप्रदेश संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 18 के माली मुहल्ला में स्थित एक बड़ा नाला जो पिछले चार वर्षों से टूटा हुआ था, अब दोबारा बनना शुरू हो चुका है। इस नाले के जर्जर होने से स्थानीय लोगों को लंबे समय से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई बार लोग उसमें गिरकर घायल हो चुके थे, वहीं कई वाहन



भी दुर्घटनाग्रस्त हुए थे। यहां तक कि छठ पर्व के दिन कई छठव्रती

भी इसमें गिर गए थे। वार्डवासियों ने कई बार नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों से नाला मरम्मत की मांग की, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। अंततः लोगों ने समाजसेवी विकास माली से मदद की गुहार लगाई। जनता की पीड़ा को समझते हुए विकास माली ने बिना देर किए अपने निजी खर्च से नाला निर्माण का कार्य शुरू कराया। माली ने इस कार्य में आवश्यक सामग्री और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा

कि उनकी संस्था कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी केवल गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे गढ़वा जिले के विकास और जनसेवा के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जहाँ पूर्व के कई जनप्रतिनिधि और प्रशासन ने वर्षों तक ध्यान नहीं दिया, वहीं समाजसेवी विकास माली ने निजी स्तर पर कार्य शुरू कर लोगों को राहत और उम्मीद दोनों दी है।

अस्पताल में भेज दिया। वहीं मौके पर क्षेत्रीय विधायक आलोक चौसिया, भी बच्ची के घर पहुंचे कर, उन्होंने बच्ची के मौत पे गहरा शोक व्यक्त किया साथ ही पुलिस को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग भी किए ,प्रथम दृश्यटीवीता से बच्ची को मारकर फेंके जाने का

आशंका है, वहीं श्री चौरसिया ने कहा की एक बच्ची के साथ ऐसी क्रूरता एक दर्दिद ही कर सकता है, ऐसे दरिन्दे को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, उन्होंने बच्ची के परिजनों को ढाढस बंधाया, और हर मुश्किल घड़ी में परिवार के साथ खड़ा रहने का बात भी कही, वहीं इस घटना से गांव सहित पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया, हर जनता की जुबान पर एक ही बात है, बच्ची को न्याय मिले और दर्दिद को फांसी, चैनपुर पुलिस भी जाँच शुरू करते हुए अपराधियों की खोज बिन जारी कर दिया वहीं गांव में शोक का माहौल है, और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर चिपकाया इस्तेहार

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। शहर थाना के एसआई अनंत कुमार सिंह ने मेदिनीनगर शहर थाना कांड संख्या 38/2023/दिनांक 21/01/2023 धारा 409/420/34 के अभियुक्त खूंटी जिला के तोरपा थाना क्षेत्र के तोरपा हाता गांव निवासी माइकल गुड्डिया के पुत्र रोबिन गुड्डिया के घर जाकर इस्तेहार चिपकाने का काम किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसआई अनंत कुमार सिंह ने बताया



पूर्व एफसीआई मैनेजर रोबिन गुड्डिया पर मेदिनीनगर शहर थाना में चावल और गेहूं गबन करने का मामला दर्ज कराया गया था। बताया की न्यायालय के निर्देश पर रोबिन गुड्डिया के घर ढोल नगाड़ा बजाकर विधिवत इस्तेहार चिपकाया गया है। इस्तेहार चिपकाने के समय अभियुक्त के अन्य सदस्य सहित आसपास के लोग गवाह के रूप में मौजूद थे। इस्तेहार चिपकाये जाने के बाद भी अगर अभियुक्त एक माह के अंदर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते है तो उनके विरुद्ध कुकी-जपती का कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महुअरी पंचायत के जनता ने राशन डीलर पर नही बितरण करने का लगाया आरोप

नवप्रदेश संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत के महुअरी अंतर्गत दुलहर, झरहा, डमलिया बांध, चिड़ैयाखाड़ आदि के सैकड़ों ग्रामीणों ने एक हस्ताक्षर युक्त शिकायत प्रखण्ड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी हुसैनाबाद से की है जिसमें अनिता देवी राशन वितरण दुकान पर गम्भीर आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने आवेदन में कहा है कि उक्त राशन डीलर के द्वारा तीन माह से राशन वितरण नही कर रहे है। जबकि उनलोगों से प्रत्येक माह समय पर अंगुठा लगावा लिया जाता है। उतना ही नही ग्रामीण लोगो ने यह भी बताया

कि जब भी हमलोग पिछले माह के राशन मांगने जाते है तो उनके घर अन्य परिजनों द्वारा गली गलीज व झगड़ा करने पर उतारु हो जाते है। साथ ही लोगो को अपमानित करते है जिससे हमलोग काफी आक्रोशित है, सबसे बड़ा दिलचस्प बात यह है कि ग्रामीण इन समस्याओं से विभागीय अधिकारी यानी प्रखण्ड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी हुसैनाबाद मनोज कुमार से पूर्व में शिकायत किया था। लेकिन अधिकारियों की उदासीनता से यह प्रसित होता है कि ग्रामीण आखिर जाए तो जाए कहा, इस सबबन्ध में ग्रामीणों ने मुखिया व अन्य जनप्रतिनिधियों से

भी शिकायत किया है इसके बाद भी न्याय नही मिलने से काफी दुःखित व भयभीत है। इधर ग्रामीणों के शिकायत पर प्रखण्ड व अंचल में कोई कार्रवाई नही होने व जनता को न्याय नही मिलने से लोगो मे आक्रोश है वही वरीय अधिकारियों के निगरानी पर सवाल उठ रहा है आवेदन देने वालो में अमरेंद्र सिंह, नीरज कुमार सिंह, सुरेंद्र सिंह, विवेक ठाकुर, रेणु देवी, प्रतिमा देवी, रामाशेष बैठा, अनूप कुमार सिंह, चिंता देवी मालती देवी, अमित कुमार, प्रेम कुमार, राकेश कुमार, फुलेंद्र कुमार आदि सैकड़ों लोग शामिल है।

एक नजर

एनपीयू में बी.एड. विद्यार्थियों को दी गई डिग्री

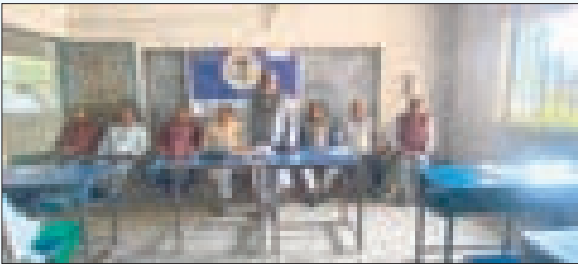
नवप्रदेश/मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजीत सेट ने जानकारी दी कि बी.एड. कॉलेजों के विद्यार्थियों द्वारा 29 अक्टूबर तक डिग्री के लिए आवेदन जमा किया गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अब उन सभी छात्र-छात्राओं की डिग्रियाँ संबंधित कॉलेजों को उपलब्ध करा दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि छात्र-छात्राएँ अपने-अपने बी.एड. कॉलेजों से निशुल्क डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि एनपीयू के अधीन कुल 15 बी.एड. कॉलेज संचालित हैं। इन कॉलेजों से उत्तीर्ण हो चुके विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जा रही है, जिससे वे आगे की शैक्षणिक या व्यावसायिक प्रक्रिया पूरी कर सकें।

10 वर्षीय रितु कुमारी की हत्या से क्षेत्र में शोक की लहर



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोशियारा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है।गाँव निवासी विनय चौरसिया जी की 10 वर्षीय पुत्री रितु कुमारी, जो दो दिन पूर्व लापता हो गई थी, शव गाँव के एक कुएँ से बरामद किया गया। प्रारंभिकजानकारी के अनुसार, बच्ची की बेहमी से हत्या कर शव को कुएँ में फेंक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही विधायक आलोक चौरसिया जी तत्काल मौके पर पहुँचे।उन्होंने प्रशासन को पूरी घटना से अवगत कराया और शव को बाहर निकलवाने की व्यवस्था करवाई।श्री चौरसिया ने पुलिस प्रशासन से इस चिन्नीत वारदात की निष्पक्ष जाँच कराते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की माँग की है, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसा जघन्य अपराध करने की हिम्मत न कर सके। पुलिस ने घटना की जाँच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

विश्व उर्दू दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन



नवप्रदेश/हुसैनाबाद। आल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन हुसैनाबाद के तत्वावधान में उर्दू मॉडल स्कूल हुसैनाबाद में मशहूर शायर अल्लामा इकबाल के जन्मदिन, विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता निवर्तमान नगर उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी ने किया एवं संचालन मो. जुबैर अंसारी ने किया। इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक शकील अहमद ने कहा कि शायर मशरिफ अल्लामा इकबाल का जन्म सियालकोट में हुआ। यह उर्दू, फारसी के अजीम शायर और फलसफी थे। इन्होंने सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्ता हमारा नजम लिखा। बच्चों के लिए लब पे आती है दुआ बनके तमना मेरी नजम भी लिखा। इसके अलावा उर्दू, फारसी और अरबी भाषा मे अनेक किताबें और नजम लिखा। विशिष्ट अतिथि काग्रेस जिला उपाध्यक्ष मसरूर अहमद ने कहा कि अल्लामा इकबाल नवजवानों को खिताब करते हुए कहते हैं कि तू शाहीन है परवाज है काम तेरा, तेरे सामने आसमां और भी हैं। शिक्षक सैयद मतलूब हुसैन ने कहा कि उर्दू एक जवान ही नहीं बल्कि एक तहजीब है। शिक्षक इशरत हुसैन ने कहा कि उर्दू एक लश्करी अर्थात हिन्दी, अरबी, फारसी और तुर्की जवान की मिली जुली रूप है। अध्यक्षीय संबोधन में ग्यासुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि उर्दू गंगा जमनी तहजीब की मिसाल है। यह पैग़म देती है हम सब मिलकर मुल्क की तरक्की का काम करें। इस मौके पर बच्चों के बीच एक मजमून नवीसी का मुकाबला भी हुआ। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चे क्रमशः हैं, चांदनी परवीन, दिलनाज परवीन व सानिया परवीन इन्हें पुरस्कृत भी किया गया। अन्य बच्चे थे रुखसाना परवीन, सब्बा परवीन, मो. जामिन, सारा परवीन आदि। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापक सुनिल कुमार ने किया।

मिशन समृद्धि संस्था का निरंतर चल रहा रोटी अभियान



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की रोटी अभियान जरूरतमंदों को निराश नहीं करती। पर्व त्योहार की व्यस्तता के बावजूद भोजन वितरण की कोशिश जारी रहती है।बल्कि इस दरम्यान रोटी लेने वाले लोग कम मिल पाते हैं। संस्था द्वारा अंबेडकर पार्क के सामने दोना पत्तल दातून बेचने वालों एवं जरूरतमंद मजदूरों के बीच रोटी सब्जी खिचड़ी का वितरण किया गया। भोजन मिलने के बाद इन लोगों की खुशी देखकर अच्छा लगता है। सबों के सहयोग से ही यह निष्ठापूर्ण कार्य हो पाता है। अन्यथा लगातार नौ वर्षों से यह काम संभव नहीं हो पाता। मेदिनीनगर के आदरणीय नागरिकों के सहयोग के लिए उनका आभार। साथ ही साथ लगातार सेवा में पूरी निष्ठा के साथ जुड़े रहने के लिए बैजन्ती गुप्ता अहिल्या गिरि बेबी पाण्डेय वीणा राज आशा शर्मा रंजीता ममता सबों को धन्यवाद।

एसपी रिष्मा रमेशन ने मनातू के सहायक अवर निरीक्षकअनीष राज को किया निलंबित

नवप्रदेश/मनातू। मनातू थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अनीश राज को पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने पुलिस अवर निरीक्षक अनीश राज मनातू थाना के किए गए स्प्टीकरण के आलोक में 3/11/25 को स्प्टीकरण समर्पित किया गया।



जिसे असंतोष जनक पाया गया जिसे अनुसंधान के क्रम में अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से सम्मान जीवन यापन भाता पर निलंबित किया जाता है । मनातू थाने के परिसर में रहकर मनातू के सुदूरवर्ती इलाके के ग्रामीणों को क्षेत्र में दबंग दरोगा के रूप में प्रचलित था। जिसकी जानकारी सूत्रों के मुताबिक पलामू के ईमानदार पुलिस अधीक्षक महोदया सिंधम लेडी रिष्मा रमेशन के हाथों से मनातू थाना के एक कांड संख्या में परिजन के आवेदन पर जांच कर गलत साबित करते हुए। अनीश राज को सस्पेंड कर दिया और पुलिस महकमे को बरकरार ग्रामीण के विश्वास के साथ खरे उतरे। सूत्र को मुताबिक जानकारी है कि यह मनातू थाना में अभी तक कितने लोगों को गलत तरीका से मारपीट कर पैसा नाजायज अर्जित किया था। और सभी को डरा डरा कर पैसा वसूली करते थे।

पलामू वैध बालू लेकर जा रहे युवक से पुलिस ने वसूले 25 हजार रुपये

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के भैरवपुर निवासी सचिन कुमार (पिता मनोज सिंह) ने पुलिस पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है. सचिन ने हुसैनाबाद थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि वह बिहार से वैध जीएसटी चालान के साथ अपने निजी ट्रैक्टर (संख्या JH03AT 3850) से घर के निर्माण कार्य के लिए बालू ला रहे थे।रास्ते में लंगरकोट गांव के पास सिविल वर्दी में कुछ पुलिसकर्मियों ने उनकी गाड़ी रोक ली. सचिन के अनुसार, एसआई नवदेश्वर सिंह, एसआई कालिका राम और चौकीदार अमित कुमार पासवान ने उनसे 50 हजार रुपये की मांग की. जब उन्होंने चालान दिखाया, तो गाली-गलौज करते हुए धमकी दी।

अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलना हेमंत सरकार की दुर्भावनापूर्ण नीति : देवेन्द्र

पूर्वी सिंहभूम। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देवेंद्र सिंह ने रविवार को झारखंड सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा एडवॉर्स हेल्थ क्लिनिक रख दिया है, जो कि पूर्णतः दुर्भावना से प्रेरित निर्णय है। उन्होंने कहा कि जब झारखंड में रघुवर दास की सरकार थी, तब राज्य के सभी शहरों और गांवों में अटल मोहल्ला क्लिनिक की स्थापना की गई थी। इन क्लिनिकों में एमबीबीएस डॉक्टर, नर्स और कंपांडर की नियुक्ति कर लोगों को उनके मोहल्ले में ही सुगमता से



स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। देवेंद्र सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार आने के बाद इस जनकल्याणकारी योजना पर ग्रहण लग गया। लगभग चार माह पहले

इस योजना का नाम बदलकर टेरेसा एडवॉस क्लिनिक कर दिया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से गहरी नफरत है। जबकि अटल

जी ने ही झारखंड राज्य का गठन कर यहां के लोगों को नई पहचान दी थी।

उन्होंने कहा कि एक ऐसे महान नेता, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उनके नाम

को हटाकर एक विदेशी महिला के नाम पर योजना का नामकरण करना अपमानजनक है। मदर टेरेसा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत में आकर लाखों भोले-भाले आदिवासियों का धर्म परिवर्तन कराया था। ऐसे में यह निर्णय यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सरकार ने किसें खुश करने के लिए यह नामकरण किया है। देवेंद्र सिंह ने कहा कि आज इन मोहल्ला क्लिनिकों की स्थिति दयनीय है। उन्होंने बताया कि जमशेदपुर के कदमा स्थित रानी कुदार मोहल्ले के क्लिनिक का विद्युत कनेक्शन डेढ़ साल से कटा हुआ है। यहां मात्र चार घंटे के लिए एक नर्स और एक होम्योपैथिक



नवप्रदेश/लातेहार। पंचायत भवन बारी में ग्राम प्रधान रोबिन उरांव की अध्यक्षता में सप्ताहिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पंचायत बारी के विभिन्न टोलों महल्लों से विस्थापित हो रहे रैयतों की उपस्थिति रही सर्व समिति से संचालन समिति का गठन किया गया जिसे सर्व प्रथम जमीन सुधार एवं विस्थापन नीति के तहत हक अधिकार के लिए समिति को जिम्मा सौपा गया है चुनें गये सदस्य इस प्रकार है लाल जन्मज्य नाथ शाहदेव बेलाल अहमद रोबिन उरांव हाजी हाशिम अंसारी अहमद अंसारी राजू उरांव जीते उरांव अशोक भुइयां महेश राम योगेंद्र यादव राजेंद्र उरांव नौशाद अंसारी चुनें गये सभी सदस्यों को ताली बजा कर स्वागत किया गया नव निर्वाचित सभी सदस्यों ने कहा की जिस तरह आप सभी रैयत हम सभी पर भरोसा जताये है हम सभी एक साथ मिल कर सभी रैयतों का हक अधिकार दिलाने का हर सम्भव प्रयास जारी रहेगा। बनहर्दी कॉल ब्लौक में विस्थापित हो रहे एक रैयत का उनका हक अधिकार मिलें हम सभी की एकजुटता हम सभी का सफलता होगी। आगामी दस नवम्बर को बनहर्दी पंचायत भवन में जमीन सुधार का शिविर आयोजन है बहुत जल्द बारी पंचायत में भी जमीन सुधार मामले पर शिविर का आयोजन कराने की मांग अंचल कार्यालय से किया जाएगा अंत में सभा की समापन की घोषणा बेलाल अहमद के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से रमेश उरांव विनेश्वर उरांव रघुवीर साव बशीर अंसारी आशीष सिंह संजय ठाकुर जीतेन्द्र उरांव अजय उरांव झरी उरांव वारिस अंसारी हरिनंदन साव बजरंग मुंडा हाजि समीद अंसारी कमरुद्दीन अंसारी जितन उरांव हनीफ मिर्जा नारेश्वर उरांव सुले उरांव मुकेश उरांव कंदरू राम जगलाल उरांव लालदेव उरांव जागेश्वर उरांव रामसहाय उरांव जीतेन्द्र उरांव रालिंद यादव इत्यादि शामिल रहे।

बालूमाथ कुएं से मां-बेटी का शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी



नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के बसिया पंचायत अंतर्गत बेलवाडीह गांव में रविवार को एक महिला और उसकी तीन वर्षीय पुत्री का शव कुएं से बरामद किया गया। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है छाम्मीणों से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह गांव के एक चारवाह ने कुएं में दो शव तैरते देखे। उसने तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला गया। शव की पहचान बेलवाडीह निवासी भागीरथ यादव की पत्नी सुखमनी देवी 30 वर्ष एवं उसकी तीन वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारि के रूप में की गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, कुछ दिन पूर्व पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद बीते शुक्रवार की शाम से ही सुखमनी देवी अपनी पुत्री के साथ घर से लापता थी। रविवार सुबह दोनों के शव मिलने से पूरे गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 8 वर्षीय बच्चा गंभीर, रिम्स रेफर

नवप्रदेश/बालूमाथ। शनिवार की रात करीब 8 बजे हेरहंज बालूमाथ मार्ग पर बालूमाथ थाना क्षेत्र के झावर डेंबु ग्राम में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से आठ वर्षीय धीरज कुमार पिता आदित्य यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल बच्चे को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहाँ डॉ. सुरेंद्र कुमार ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। मिला जानकारी के अनुसार धीरज सड़क किनारे खड़ा था तभी एक अनियंत्रित वाहन ने ओवरटेक करते हुए उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बच्चे के सिर सहित चेहरे और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हेरहंज बालूमाथ एसएफ-10 मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर अंबे माईनिंग कंपनी के प्रबंधक और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से वार्ता के बाद कंपनी प्रबंधन ने घायल बच्चे के इलाज हेतु तत्काल 50,000 की आर्थिक सहायता दी तथा आगे के इलाज का पूरा खर्च उठाने का भरोसा दिलाया। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने लगभग दो घंटे बाद जाम समाप्त किया।

सिकनी कोलियरी को अविलंब चालू करने की मांग, मजदूर संघ ने सौंपा झापन



नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड खनिज मजदूर संघ के संरक्षक सह सोशल एक्टिविस्ट रवि कुमार डे और संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद यादव ने बंद पड़ी सिकनी कोलियरी को अविलंब चालू करने की मांग की है। इस संबंध में रविवार को दोनों ने झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड, रांची के प्रबंध निदेशक को संबोधित एक ज्ञापन सिकनी कोयला परियोजना के खान अधिकर्ता को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मजदूरों ने सिकनी कोल परियोजना परिसर में नारेबाजी भी की। उन्होंने बताया कि पिछले 14 माह से सिकनी कोलियरी बंद है, जिससे यहां कार्यरत मजदूर, डीओ होल्डर, ट्रक मालिक एवं अन्य लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं। संरक्षक रवि कुमार डे ने कहा कि सबसे अधिक परेशानी मजदूर वर्ग को हो रही है। रोजगार के अभाव में मजदूर पलायन को मजबूर हैं। उन्होंने निगम के पदाधिकारियों पर क्षेत्र के मजदूरों की उपेक्षा का आरोप लगाया।संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि सिकनी कोलियरी में लगभग 1200 निर्बोधित मजदूर और 600 ट्रक मालिक हैं। कोलियरी बंद होने से करीब 10 हजार परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि टैंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, फिर भी कोलियरी चालू नहीं की जा रही। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सिकनी कोलियरी को चालू नहीं किया गया, तो झारखंड खनिज मजदूर संघ के तत्वावधान में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

आरोपी पति गया जेल, पत्नी को करता था प्रताड़ित लातेहार। पत्नी को प्रताड़ित करने वाला आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार जिले के बरवाडीह प्रखंड के कंचनपुर के बरवाही टोला निवासी प्रेम शंकर के द्वारा उसकी पत्नी को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। बताया जाता है कि अपने पति के इस व्यवहार से पत्नी ने कथित रूप से ब्रिक्ला पदवी खा लिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी। सूचना मिलने पर पर पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की। इस संबंध में पति प्रमेशंकर राम के खिलाफ बरवाडीह थाना में कांड संख्या 71/25 बीएनएस की धारा 108 के तहत गत आठ नवंबर को दर्ज किया गया था।

अब जनता ही तय करेगी झारखंड की दिशा और दशा : जयराम महतो

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो और दुमरी विधायक जयराम महतो ने रविवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबादा प्रखंड में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी रामदास मूर्मु के समर्थन में वोट देने की अपील की। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर आयोजित मुक्कड़ सभाओं में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन में हर परिवार का बलिदान शामिल है, लेकिन आज झारखंड की राजनीति कुछ परिवारों के हाथों में सिमटकर रह गई है। जयराम महतो ने कहा कि झारखंड की माटी ने शहीदों का खून देखा है, इसलिए अब समय आ गया है कि झारखंडियों को उनका अधिकार और सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान के लोगों को झारखंड में नौकरियां और यूपी-बिहार के लोगों को ठेकेदारी मिल रही है, जबकि झारखंड के युवा मामूली नौकरियों के लिए दूसरे राज्यों में भटक रहे हैं। महतो ने कटाक्ष करते हुए कहा, हमने झारखंड झाल बजाने के लिए नहीं लिया है, बल्कि झारखंडियों के अधिकार को लड़ाई लड़ने के लिए लिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे स्वच्छ, ईमानदार और काम करने वाले युवा प्रतिनिधि को चुनें ताकि सदन में झारखंड की असली आवाज गुंज सके। अपने बेबाक अंदाज में जयराम महतो ने कहा, अब वह दौर खत्म हो चुका है जब राजमाता अपने पुत्र को राजा घोषित करती थीं और जनता ताली बजाती थी। आज जनता ही राजा है, और वोट उसका सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने कहा कि जब वे सदन की समक्याएं उठाते हैं तो दो-दो मंत्रियों को जवाब देने में पसीना आ जाता है – यही लोकतंत्र की असली ताकत है। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, निखिल महतो, तापस महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच जिप उपाध्यक्ष ने किया फुटबॉल वितरण

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय के खेल मैदान में रविवार को जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल का वितरण किया।इस अवसर पर झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह एवं पूर्व फुटबॉलर सुरेश सिंह उपस्थित थे।कार्यक्रम में फुटबॉल कोच राजकिशोर पासवान ने बच्चों को तकनीकी प्रशिक्षण देते हुए खेल के प्रति समर्पण बनाए रखने की सलाह दी। जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने



कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। जिला परिषद स्तर पर खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा।पूर्व फुटबॉलर सुरेश सिंह ने खिलाड़ियों

से निर्यामित अभ्यास और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। वहीं प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में अपार प्रतिभा है, बस उन्हें सही दिशा और अवसर की आवश्यकता है।

कोमर गांव में भक्तिमय माहोल, शिव चर्चा का आयोजन

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोमर में रविवार की रात उपेंद्र रंगीला के नेतृत्व में शिव चर्चा का भव्य आयोजन किया गया। पूरे गांव का वातावरण हर हर महादेव के जयघोष से गुंजन उठा और चारों ओर भक्ति का माहौल बन गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भक्तजन भगवान शिव की स्तुति में भजन, कीर्तन एवं आरती में शामिल हुए। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, वहीं स्थानीय युवाओं की टोली ने कार्यक्रम की व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाई।रात्रि देर तक चले इस आयोजन में भक्ति संगीत और शिव भजनों की गुंज से वातावरण अलौकिक बना रहा। श्रद्धालुओं ने एकाग्र भाव से भगवान भोलनाराय का नामस्मरण किया और सामूहिक आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चंदवा में खरीदी गई जमीन का रकबा शून्य करने का आरोप



नवप्रदेश/चंदवा। प्रखंड अंतर्गत कंचन नगरी निवासी लक्ष्मी कुमारी, पिता हेमंत प्रसाद ने अपनी खरीदी हुई जमीन का रकबा गलत तरीके से रजिस्टर 2 में शून्य किए जाने का आरोप लगाते हुए उपयुक्त सह जिला निबंधन पदाधिकारी, लातेहार को आवेदन सौंपा है। लक्ष्मी कुमारी ने अपने आवेदन में बताया है कि उन्होंने चंदवा स्थित पुराने खाता संख्या 140, प्लॉट संख्या 1685, रकबा 7 डिसमिल (नया खाता संख्या 238, प्लॉट संख्या 793) की जमीन 13 जून 1994 को मोदिता राणा से रजिस्ट्री के माध्यम से खरीदी थी। इस जमीन पर वर्ष 2013 में अंचल कार्यालय, चंदवा द्वारा उन्हें दखल कब्जा भी प्रदान किया गया था। भुक्तभोगी का कहना है कि वर्तमान में मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बावजूद प्रतिपक्ष द्वारा उक्त जमीन का रकबा गलत तरीके से शून्य करा दिया गया है। साथ ही प्रतिपक्ष द्वारा अपने रकबा को रजिस्टर-2 में दर्ज कराकर उसी भूमि पर परिवार के सदस्यों के नाम से निबंधन कराने की धमकी दी जा रही है। लक्ष्मी कुमारी ने उपयुक्त लातेहार से आग्रह किया है कि जब तक यह मामला न्यायालय में लंबित है, तब तक निबंधन (रजिस्ट्री) रोकने व रजिस्टर 2 में रकबा सुधार करने की गुहार लगाई है। भुक्तभोगी ने मामलों को लेकर चंदवा अंचलाधिकारी को भी आवेदन देकर गुहार लगाई है। आवेदन में हल्का तीन के राजस्व कर्मचारी मुनेश्वर पर मामले में ताल मटोल करने का भी आरोप लगाई है। मामले में अंचलाधिकारी सुमित कुमार झा ने कहा कि बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पूरे मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध के कार्रवाई की जाएगी।

सांड के हमले में शिक्षिका घायल

पूर्वी सिंहभूम। ब्राह्मणी रोड बागुननगर में हुए हमले में एक अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल शिक्षिका धीरज कौर की कलाई की हड्डी टूट गई है। उन्हें इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया है। घटना उस समय हुई जब शिक्षिका अपने पति, अधिवक्ता एवं राजद नेता कुलबिंदर सिंह के साथ स्कूटी पर बागुननगर से गुजर रही थीं। उसी दौरान सड़क पर दो सांड आपस में भीषण रूप से लड़ रहे थे। स्थिति को देखते हुए अधिवक्ता ने स्कूटी किनारे कर दी, लेकिन अचानक एक सांड ने उन पर हमला कर दिया। सांड के सींग उनके बांह में जा लगे और फिर उसने पीछे बैठी उनकी पंजी पर भी हमला कर दिया। धक्का लगने से शिक्षिका सड़क पर गिर पड़ी। गंभीमत रही कि आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बांभों से सांड को खदेड़ दिया, जिससे वह और हमला नहीं कर सका। इसके बाद घायल शिक्षिका को स्थानीय लोगों की मदद से टीएमएच पहुंचाया गया, जहां एम्ब-ने रिपोर्ट में कलाई की हड्डी टूटने की पुष्टि हुई।



नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादित और हल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण

पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।

- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।

- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रॉल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।

- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादित और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।

- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) वही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।



शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइडेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइडेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती

है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होंठों से खून भी आने लगता है।

- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइडेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।



सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाया चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिलिस की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मूनुक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादित होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।



हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुफ्ट उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

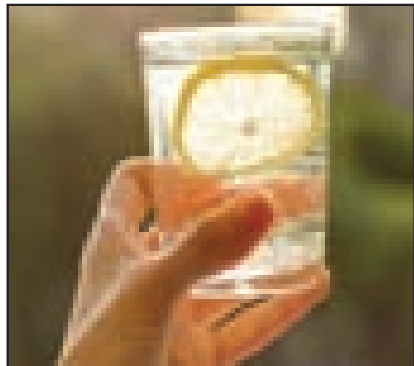


- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुफ्ट उठाएं।



गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

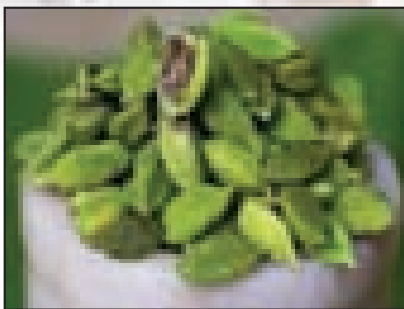


डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनोज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।



कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसेले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रेनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

सिलेरी जूस

(अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल

और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का

कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।



वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

हमारा लक्ष्य भारत को दुनिया का सबसे सस्तेनेबल इंटेलिजेंस हब बनाना है: गौतम अदाणी

अहमदाबाद,

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इस शताब्दी को परिभाषित करेंगे और हमारा लक्ष्य भारत को दुनिया का सबसे अधिक सस्टेनेबल इंटेलिजेंस हब बनाना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गौतम अदाणी ने कहा,हमारा राष्ट्र क्लीन एनर्जी और एआई के इंटरसेक्शन पर खड़ा है, ये दोनों शक्तियाँ इस शताब्दी को परिभाषित करेंगी। अरबपति कारोबारी ने कहा, विशाखापट्टनम में अदाणी-गुगल स-झेदारी भारत के नेतृत्व वाले एनर्जी-एफिशिएंट एआई फ्यूचर को आकार देने में मदद कर सकती है। हमारा लक्ष्य भारत को दुनिया का सबसे अधिक सस्टेनेबल इंटेलिजेंस हब बनाना है। गौतम अदाणी ने पिछले महीने कहा था कि उन्हें आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए गुगल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। बीते महीने अदाणी समूह की कंपनी अदाणीकॉनेक्स और गुगल ने भारत में सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए साझेदारी का ऐलान किया था। यह डेटा सेंटर आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बनाया जाएगा। इसमें करीब अगले पांच वर्षों में 15 अरब डॉलर का निवेश होगा। कंपनी की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि विशाखापत्तनम में गुगल का एआई हब पांच वर्षों (2026-30) में लगभग 15 अरब डॉलर का एक बहुआयामी निवेश है, जिसमें गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर ऑपरेशंस, एक मजबूत सब-सी केबल नेटवर्क और स्वच्छ ऊर्जा द्वारा समर्थित देश में सबसे अधिक मांग वाले एआई वर्कलोड को संचालन करना शामिल है। इसे अदाणीकॉनेक्स और एयरटेल सहित इकोसिस्टम भागीदारों के सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा। इस दौरान गौतम अदाणी ने कहा, यह सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश से कहीं बढ़कर है। यह एक उभरते राष्ट्र की आत्मा में निवेश है। अदाणी-गुगल साझेदारी राष्ट्र निर्माण के हमारे साझा दृष्टिकोण और 21वीं सदी के उपकरणों से प्रत्येक भारतीय को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विशाखापत्तनम अब टेकनोलॉजी के लिए एक वैश्विक गंतव्य बनने के लिए तैयार है और हम इस ऐतिहासिक यात्रा के अकिटिव्ट बनकर रोमांचित हैं।

अमेरिका, चीन के आर्थिक आंकड़ों से पहले सोने की कीमतों में सुधार जारी रहेगा: विश्लेषक

नई दिल्ली,

अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों, व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितताओं और चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले आने वाले सप्ताह में सोने की कीमतों में सुधार जारी रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया। उन्होंने आगे कहा कि कारोबारी मॉड्रिक नीति पर स्पष्टता के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर भी कड़ी नजर रखेंगे। इससे निकट भविष्य में सराफा कीमतों की दिशा तय होने की संभावना है। जेएम फाइर्नशियल सर्विसेज लिमिटेड के इवीजी – जॉस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रभाव मेर ने कहा, सोने की कीमतों में स्वस्थ गिरावट या और सुधार की उम्मीद है, क्योंकि सभी का ध्यान मुद्रास्फीति के आंकड़ों, शुल्क पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई, फेड अधिकारियों के भाषणों और चीनी आंकड़ों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि सोने की कीमतें इस सप्ताह थोड़ी कम हुईं, लेकिन यह धातु मोटे तौर पर एक सीमित दायरे में ही रही। मजबूत डॉलर और सुस्त भौतिक मांग के कारण इसकी बढ़त सीमित रही। खुदरा खरीदार कीमतों में और गिरावट की आशंका में बाजार से दूर हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये या 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एंजल वन के डीवीपी (शोध, गैर-कृषि जिंस एवं मुद्रा) प्रथमेश माल्या ने कहा,इस दौरान एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,17,000-1,22,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहा। अमेरिकी श्रम बाजार की कमजोर रिपोर्ट, सुरक्षित निवेश की मांग, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और केंद्रीय बैंक की खरीदारी से निकट भविष्य में सोने की कीमत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, सोना 1979 के बाद से अपनी वार्षिक वृद्धि की राह पर है, और अगर मौजूदा बुनियादी कारक प्रभावी रहे तो जल्द ही सोने की कीमतों में ओर तेजी आ सकती है।

महंगाई के आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुख से तय होगी स्थानीय शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली,

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुद्रास्फीति के आंक-ड़ों, कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी शेयर बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी। रिलेगियर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि कई प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। घरेलू मोर्चे पर, भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और थोक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो महंगाई की दिशा और नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान ओपनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेट्र्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों आएंगे, जिन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके साथ रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रबंधन कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, इस सप्ताह कई प्रमुख घरेलू और वैश्विक वृहद आर्थिक का-रक बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि इससे निवेशकों को ब्याज दर के भविष्य के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर, सभी की निगाहें अमेरिका में कुछ विभागों का कामकाज ठप होने (शटडाउन) पर रहेगी। इसकी वजह से महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों को जारी नहीं किया जा सका है जिससे निवेशकों और नीति-निर्माताओं को वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिल पा रही है। बीते कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 722.43 अंक या 0.86 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 229.8 अंक या 0.89 प्रतिशत नीचे आया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आगे चलकर, बाजार की दिशा आगामी घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, एकआईआई प्रवाह, अमेरिकी सरकार के शटडाउन से संबंधित घटनाक्रमों और अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति पर निर्भर करेगी।

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओपनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेट्र्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेश-क और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)की गतिविधियां भी बाजार की दिशा



को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं। अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में

अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत होगी जांच, एमएसएमई यूनिट्स के लिए भी अब नहीं बचेगी कोई ढील

नई दिल्ली

भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मु-श्किलें बढ़ने वाली हैं।

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीड-ीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाईस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रि-वाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएगा, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया



था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा। जाचें तेज की जाएंगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनिट्स पर सख्त कार्रवाई होगी। इससे उम्मीद है कि भारत की दवा उद्योग में गुणवत्ता और पारदर्शिता का नया मानक स्थापित होगा।

भारत का डीपटेक क्षेत्र 2030 तक 30 अरब डॉलर का होगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली,

भारत के डीपटेक क्षेत्र में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, और इसके बाजार अवसर 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टंट्स की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट कहती है कि रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल के कारण डीपटेक क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने रक्षा डीपटेक पर खर्च में उल्लेखनीय बदलाव देखा है। पिछले एक दशक में राष्ट्रीय रक्षा बजट दोगुना होकर 80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह विस्तार इसी अवधि के दौरान अमेरिका और चीन जैसे शीर्ष वैश्विक खर्च करने वाले देशों द्वारा दर्ज की गई वृद्धि दर से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत के डीपटेक अवसर पिछले पांच साल में 2.5 गुना बढ़े हैं और यह 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार बनने की ओर अग्रसर है। भारत, चीन के बाहर एकमात्र विश्वसनीय, कम लागत वाला केंद्र बनकर उभर रहा है। इसका डीपटेक आधार, यानी वित्त वर्ष 2024-25 तक 9-12 अरब अमेरिकी डॉलर, भारत के रक्षा डीपटेक और वैश्विक रोबोटिक्स में खर्च द्वारा आगे बढ़ रहा है। चीन के बाहर एक विश्वसनीय, कम लागत वाले वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की उभरती स्थिति रोबोटिक्स में गहन तकनीकी प्रगति से और मजबूत हो रही है। 60 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के वैश्विक रोबोटिक मशीनों के बाजार के 2030 तक लगभग 230 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रमुख श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पेट्रोनेट के सीईओ अक्षय कुमार सिंह को 15 माह का सेवा विस्तार

नई दिल्ली,

देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय कुमार सिंह को मई, 2027 तक 15 महीने का सेवा विस्तार मिल गया है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। सिंह (64) ने एक फरवरी, 2020 को शुरूआती पांच साल के कार्यकाल के लिए पेट्रोनेट के सीईओ का पदभार संभाला था। वह अब 12 मई, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है, लेकिन पेट्रोनेट, जिसका नेतृत्व केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सरकार के शीर्ष नौकरशाह करते हैं, एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत है। पेट्रोनेट कैग या सीवीसी



जैसी किसी सरकारी निगरानी संस्था के अधीन नहीं है और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे से भी बाहर है। इसके निदेशक मंडल के अधिकारियों को सर्वजनिक उपक्रमों की तुलना में अधिक

वेतन मिलता है और वे 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त भी होते हैं। निदेशक मंडल में नियुक्तियां बोर्ड की एक खोज-सह-चयन समिति द्वारा की जाती हैं। यह कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों के प्रतिनिधियों, एक



स्वतंत्र निदेशक और एक बाहरी विशेषज्ञ से बना है।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), गेल (इंडिया) लिमिटेड, ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कंपनी में 12.5-12.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पेट्रोनेट के बोर्ड में शामिल चार प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों के प्रमुख 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। पेट्रोनेट की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सिंह 64 वर्ष के हैं और इस विस्तार का अर्थ है कि वह 66 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे। पेट्रोनेट ने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सात नवंबर को हुई अपनी बैठक में, अक्षय कुमार सिंह को कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ और पूर्णकालिक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में कार्यकाल एक फरवरी, 2026 से 12 मई, 2027 तक

बढ़ाने को अपनी मंजूरी दे दी है।

एमआईटी, मुजफ्फरपुर (बिहार) से मैकेनिकल इंजीनियर और दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर, सिंह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पेट्रोनेट में आए थे, जहां वह निदेशक (पाइपलाइन) थे।

2018 में आईओसी बोर्ड में शामिल होने से पहले, सिंह गेल इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक थे। पेट्रोनेट की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सिंह को 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) में कुल 3.04 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला। इसमें लाभ पर कमीशन के रूप में 25.5 लाख रुपये शामिल हैं। उनके पारिश्रमिक में वेतन और भत्ते के रूप में 2.63 करोड़ रुपये, भविष्य निधि (पीएफ) में योगदान के रूप में 11.13 लाख रुपये और अन्य लाभ व भत्ते के रूप में 3.81 लाख रुपये शामिल थे।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

बेलगावी के किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया



बेंगलुरु

बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

केंद्र सरकार ने अगले सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात को दी मंजूरी

मोलासेस टैक्स खत्म होने से चीनी मिलों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है।

अगले चीनी सीजन 2025-26 में लगभग 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही गुड़ की छछ यानी मोलासेस पर लगने वाला 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इन फैसलों से चीनी मिलों को आर्थिक राहत मिलेगी और किसानों को गन्ने के भुगतान समय पर हो सकेगा। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन जारी है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर इन निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से गन्ना भुगतान की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जनवरी 2025 में जब चीनी के दाम गिर रहे थे, तब केंद्र ने 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। इससे देश में अतिरिक्त स्टॉक घटा और कर्नाटक में चीनी के भाव 3370 रुपए से बढ़कर 3700-3930 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे।



अब 15 लाख टन निर्यात की नई मंजूरी से उद्योग को और राहत मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से इस निर्यात को हरी झंडी दे दी है, जबकि अंतिम मंजूरी हाई-पावर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से मिलनी बाकी है। उद्योग जगत 20 लाख टन निर्यात की मांग कर रहा था, ताकि अधिशेष उत्पादन पर नियंत्रण हो सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक कर्नाटक में 2022-23 और 2023-24 सीजन का कोई भुगतान बकाया नहीं है, जबकि 2024-25 सीजन में केवल 50 लाख रुपए बाकी हैं। सरकार को उम्मीद है कि इन नीतिगत कदमों से चीनी उद्योग और गन्ना किसान दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 88,635 करोड़ घटा

सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

मुंबई

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 88,635.28 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 30,506.26 करोड़ रुपये घटकर 11,41,048.30 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का मार्केट कैप 23,680.38 करोड़ रुपये टूटकर 10,82,658.42



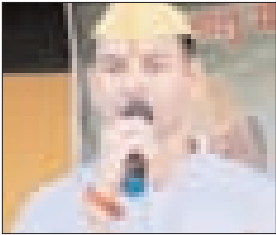
करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन क्रमशः 12,253.12 करोड़ और 11,164.29 करोड़ रुपये घटकर 5,67,308.81 करोड़ और 20,00,437.77 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 7,303.93 करोड़ रुपये

रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

चुनाव के बीच केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, तेज प्रताप को मिली वाई प्लस सिक्वोरिटी

नवप्रदेश, पटना: लालू प्रसाद के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने उन्हें वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्देश दिया है।इस श्रेणी में कमांडो और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ 11 जवान होते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हाल ही में तेज प्रताप की सुरक्षा संबंधित रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी थी, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है।तेज प्रताप ने परिवार और पुरानी पार्टी राजद से निकाले जाने के बाद जनशक्ति दल का गठन किया है। इस बार वह खुद भी अपनी नई पार्टी से मधुआ में प्रत्याशी हैं। दरअसल, बिहार में अपराध और चुनाव के बीच बढ़ते सियासी तनाव के बीच तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र सरकार से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की अपील की थी।

अपनी सुरक्षा को लेकर जताई थी चिंता : हाल ही में मोकामा में दुलार



चंद यादव हत्या के बाद तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा था कि बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाएं हमें डरा रही हैं। उन्होंने कहा था केंद्र और राज्य प्रशासन को उनकी सुरक्षा बढ़ानी चाहिए ताकि वो बिना डरे चुनाव प्रचार कर सकें।

क्या है Y-Plus कैटेगरी की सुरक्षा ?

बता दें कि वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा में आर्म्ड पुलिस के 11 कमांडो तैनात किए जाते हैं, जिसमें 5 पुलिस के स्टैटिक जवान वीआईपी की सुरक्षा के लिए उनके घर और आसपास रहते हैं। साथ ही 6 पीएसओ तीन शिफ्ट में सुरक्षा में तैनात रहते हैं।

दारोगा ने की 'शर्मनाक' हरकत, गुस्साए ग्रामीणों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

नवप्रदेश, बेतिया : घरेलू विवाद सुलझाने महोदीपुर गांव गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों का गुस्सा इस कदर फूटा कि उन्होंने एक दारोगा को पीट-पीटकर बंधक बना लिया और उसकी वर्दी फाड़ दी। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के लिए पहुंचे दारोगा शराब के नशे में थे और उन्होंने गांव वालों के साथ गाली-गलौज की, जिसके बाद यह बवाल हुआ।

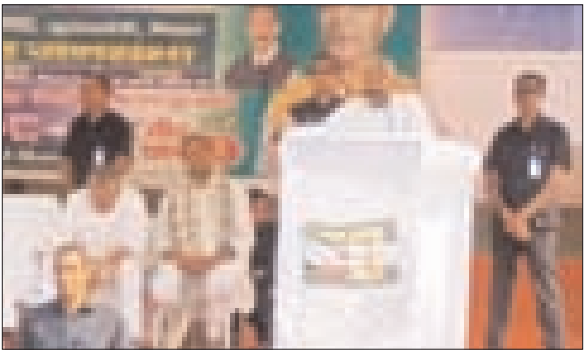
नशे में गाली-गलौज, फिर जमकर हुई पिटाई : यह घटना बेतिया के मझौलिया थाना क्षेत्र के महोदीपुर गांव में शनिवार देर रात करीब 11 बजे हुई।पुलिस को गांव में एक घरेलू विवाद की सूचना मिली थी, जिस पर दारोगा अरविंद कुमार अपनी टीम के साथ जांच करने पहुंचे थे।गांव वालों का आरोप है कि दारोगा अरविंद कुमार शराब के नशे में धुत थे। अवधेश गोस्वामी के घर पहुंचते ही उन्होंने ग्रामीणों से गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी।जब गांव

नीतीश ने बिक्रमगंज में अपने 20 साल की विकास कार्यों की उपलब्धियां गिनाई

नवप्रदेश संवाददाता

बिक्रमगंज: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बिक्रमगंज के हाई स्कूल के मैदान में जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार महाबली सिंह के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मंत्री विजय चौधरी भी मंच पर मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में राज्य में किए गए विकास कार्यों की चर्चा की और पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 साल में बिहार ने काफी प्रगति की है, जबकि पहले की सरकारों के समय राज्य में अराजकता और भय का माहौल था।

उन्होंने कहा कि उस समय लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। बहुत कम बच्चे पढ़ते थे और इलाज की कोई व्यवस्था नहीं थी। सड़कें



और बिजली नाममात्र की थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में परिवारवाद हावी था और जब सत्ता छोड़ने की बारी आई तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। नीतीश ने कहा कि अब बिहार में भय और आतंक का माहौल खत्म हो चुका है और कानून का राज स्थापित हुआ है। नीतीश कुमार ने बताया कि 2006 से मंदिरों और कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई गई और शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार

हुए। उन्होंने कहा कि बीपीएससी के माध्यम से 2 लाख लोगों की नियुक्तियां की गई हैं। पहले स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या नगण्य थी, जबकि अब वहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आने वाले पांच वर्षों में 1 करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, जो किसी अन्य राज्य में नहीं

अक्षरा के रोड शो में उमड़ा जन शैलाब जय कुमार के जय जय के नारे लगे



नवप्रदेश, दिनारा: नवप्रदेश प्रतिनिधि दावथ दिनारा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री रहे निर्दलीय उम्मीदवार जय कुमार सिंह के पक्ष में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने रोड शो किया।दौरान अक्षरा ने खाटी भोजपुरी अंदाज में गीत गाकर जय कुमार सिंह के पक्ष में लोगों से वोट करने की अपील किया। इस दौरान अक्षरा सिंह को देखने के लिए जहा युवाओं एवं

युक्तियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।वही अपने चहेती अभिनेत्री के साथ सेल्फी लेने के लिए युवा काफी बेताब थे। युवाओं के जोश को देखते हुए अभिनेत्री ने भी सेल्फी देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। तथा युवाओं से सेल्फी के बदले जयकुमार चाचा को वोट कर भारी मतों से विजयी बना विधानसभा भेजनें का भी अपील किया। रोड शो में अक्षरा ने लोगों

को भोजपुरी गाने सुनाकर उनके दिल को जीत लिया।लोगों की उमड़ी भारी भीड़ व वाहनो का काफिला एक पल के लिए ऐसा बता रहा था मानो भीड़ के हर लोग जयकुमार सिंह के जयकारे लगा रहे हो। रोड शो कोआथ से चलकर दावथ, मालियाबाग, गंज भडसरा तक रोड शो किया। हजारों की संख्या में लोग रोड शो में दिखाई दिएं।

सैलून के पास बुजुर्ग को रौंदा ट्रक ने, इलाज के दौरान मौत

कोईलवर (भोजपुर): रविवार की दोपहर कोईलवर-छपरा फोरलेन पर जमालपुर बाजार के समीप सैलून के पास हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई। मृतक की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी 75 वर्षीय शिवजी लाल (पिता स्व. राम इकबाल लाल) के रूप में हुई है। वे बीते कुछ दिनों से अपनी बेटी के घर जमालपुर में रह रहे थे। रविवार को दाढ़ी बनवाने के लिए बाजार स्थित सैलून के पास खड़े थे। इसी दौरान बबुरा की ओर से कोईलवर जा रहे बालू लंदे अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। घटना के बाद

आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। स्थानीय दुकानदार सत्येंद्र कुमार ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक के तीन पुत्र और दो पुत्रियाँ हैं, सभी की शदी हो चुकी है। उनकी पत्नी सुंदरा देवी का निधन पहले ही हो चुका था। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हावसे के बाद आक्रोशित लोगों ने कुछ देर तक सड़क किनारे जाम जैसी स्थिति बना दी। पुलिस ने काफी मशकत के बाद वाहनों को हटवाया और सड़क पर यातायात बहाल कराया।

सिर्फ JDU नहीं, पूरे NDA के लीडर हैं नीतीश: संजय झा

नवप्रदेश, पटना: संजय झा ने कहा, नीतीश की स्वीकार्यता हर समुदाय में है। हर किसी ने नीतीश के काम को सराहा है। इस बार के चुनाव में कास्ट बैरिवर टूटेगा। नीतीश कुमार ने 100 के करीब कैपेन किया। नीतीश कुमार से बहुत कुछ सीखने वाला है। बिहार का चुनाव नीतीश कुमार का चुनाव है। ये बिहार को बनाने का चुनाव है। डबल इंजन की सरकार का फायदा बिहार को मिल रहा है। अगले 5 साल में बिहार टॉप-10 स्टेट में जा सकता है। बिहार में यंग पांपुलेशन की संख्या ज्यादा है।

नाथें बिहार की सबसे बड़ी समस्या माइग्रेशन है: संजय झा ने कहा, इस समय बिहार को नीतीश के साथ खड़ा होना चाहिए। नाथें बिहार की सबसे बड़ी समस्या माइग्रेशन है। बहुत सारे दिक्कतों का



नीतीश ने समाधान किया है। निवेश के बिना बिहार में लोगों के लिए मौका नहीं है। इस सिचुएशन को बिहार लूज नहीं कर सकता। **विशेष राज्य का दर्जा कानूनी रूप से संभव नहीं:** संजय झा ने कहा, विशेष राज्य का दर्जा कानूनी रूप से संभव नहीं है। नीतीश कुमार पल्स पकड़ने वाले नेता हैं। इस बार एक बड़ें मैटेट के साथ NDA की सरकार आएगी। नीतीश की बातों पर बिहार की जनता ट्रस्ट करती है। इस

बार बिहार में 2010 वाला माहौल है। SIR पर विपक्ष ने अब चर्चा बंद कर दी है। नेता को जानने के लिए 20 साल का समय ज्यादा है। सरकार ने ना किसी को फंसाया ना किसी को बचाया। जब-जब वोटिंग बढ़ी हमारी सरकार आई। महिलाओं ने बढ़ चढ़कर वोटिंग में हिस्सा लिया। 20 साल में महिलाओं के जीवन में काफी बदलाव हुआ है। देश में सबसे ज्यादा महिला बिहार पुलिस में हैं। नीतीश कुमार पर

युवाओं को भरोसा है।

BJP के साथ सरकार चलाने में कभी दिक्कत नहीं हुई: संजय झा ने कहा, BJP के साथ सरकार चलाने में कभी दिक्कत नहीं हुई। सरकार चलाने में RJD के साथ काफी परेशानी हुई। NDA के सभी दलों के नेताओं में एकजुटता है। किसी बात को लेकर NDA में कोई कम्प्यूजन नहीं है। महागठबंधन के नेताओं में सहमति नहीं है।

नीतीश ही सीएम बनेंगे: उन्होंने कहा, महागठबंधन में चुनाव से पहले ही पोटेंफोलियो का बंटवारा कर दिया गया। नीतीश के नेतृत्व में NDA चुनाव लड़ रही है। नीतीश के काम और पेस पर चुनाव हो रहा है। सिर्फ JDU नहीं नीतीश पूरे उठख के लीडर हैं। 14 को रिजल्ट के बाद नीतीश ही सीएम बनेंगे।

चुनाव के दूसरे चरण के लिए आज शाम थम जाएगा प्रचार

रिंस्कार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: इमामगंज विधानसभा क्षेत्र के सात बूथ पर मतदान अपराह्न तीन बजे तक, और 354 बूथ पर चार बजे तक होगा. बोधगया की 200 बूथ पर चार बजे तक और 106 बूथ पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा. बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में राज्य के 20 जिलों की 122 सीट पर होने वाले मतदान के लिए प्रचार रविवार शाम पांच बजे थम जाएगा. इसके बाद इन जिलों में किसी भी प्रकार की सभा, रैली या रोड शो पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा. दूसरे चरण में जिन 20 जिलों में मतदान होगा उनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, कुर्छिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल, कैमुर और रोहतास शामिल हैं. पहले चरण के चुनाव में, आजादी के बाद सर्वाधिक 65 प्रतिशत से अधिक वोटिंग को देखते हुए दूसरे चरण में भी रिकॉर्ड मतदान होने की उम्मीद है. पहले चरण में महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया. कुल मतदान प्रतिशत 65.08 फीसदी रहा. महिलाओं का मतदान

प्रतिशत 69.04 जबकि पुरुषों का 61.56 फीसद रहा। मीनापुर सीट पर सबसे ज्यादा 77.54 प्रतिशत मतदान हुआ.

महत्वपूर्ण उम्मीदवार

इस चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कई मंत्री चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें सुपौल से बिजेंद्र प्रसाद यादव, चकाई से सुमित कुमार सिंह, झंझारपुर से नीतीश मिश्रा, अमरपुर से जयंत राज, छत्तापूर से नीरज कुमार सिंह बबलू, बेतिया से रेणु देवी, धमदाहा से लेशी सिंह, हरसिद्धि से कृष्णनंदन पासवान और चैनपुर से जमा खान शामिल हैं. वहीं, दूसरे चरण में महागठबंधन की ओर से राजद के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कटिहार की कदवा सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, तथा भाकपा (माले) विधायक दल के नेता महबूब आलम उम्मीदवार हैं.

बिहार में दूसरे चरण के आंकड़े

1. विधानसभा सीटों की संख्या: 122

2. सामान्य सीटें - 101

3. अनुसूचित जाति सीटें - 19

4. अनुसूचित जनजाति सीटें - 2

5. मतदाताओं की संख्या:



3,70,13,556

6. पुरुष मतदाता: 1,95,44,041

7. महिला मतदाता:1,74,68,572

8. नए मतदाता:5,28,954

9. मतदान केंद्रों की कुल संख्या: 45,399

10. उम्मीदवारों की कुल संख्या: 1302

11. पुरुष उम्मीदवार:1165

12. महिला उम्मीदवार: 136

उठ्ठभ में कौन कितनी सीटों पर लड़ रहा

दूसरे चरण में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 53 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है. पहले चरण में बीजेपी के 48 उम्मीदवारों की जिम्त दल (यूनाइटेड) के 44, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 15, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के चार और हिंदुस्तानी आवाज मोर्चा (हम) के छह उम्मीदवार भी दूसरे चरण में चुनावी मैदान में हैं. राजग के स्टार प्रचारकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के बिहार के चुनाव प्रभारी एवं केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान और क्षेत्रफल के लिहाज से इस चरण का सबसे छोटा विधानसभा क्षेत्र भामलपुर (23.887 वर्ग किमी) है, जबकि सबसे बड़ा चैनपुर (1814.15 वर्ग किमी) है. मतदाताओं की संख्या के अनुसार मखदुमपुर में सबसे कम 2,47,574, और हिसुआ में सबसे अधिक 3,67,667 मतदाता हैं.

कौन से संवेदनशील इलाके

दूसरे चरण में सर्वाधिक संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों और बूथ की पहचान की गई है. इमामगंज विधानसभा क्षेत्र के सात बूथ पर मतदान अपराह्न तीन बजे तक, और 354 बूथ पर चार बजे तक होगा. बोधगया की 200 बूथ पर चार बजे तक और 106 बूथ पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा.

वहीं चैनपुर, रजौली, गोविंदपुर, सिकंदर, जमुई, झाझा और चकाई की सभी बूथों पर शाम चार बजे तक वोटिंग कराई जाएगी



संक्षिप्त खबरें

पैक्स गोदामों की हालत चिंताजनक

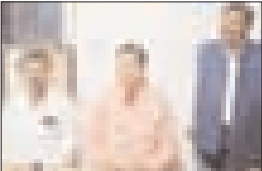


नवप्रदेश, तराई : प्रखण्ड के अधिकांश पैक्स में धान भंडारण के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं है। सबसे अधिक खरीदारी करने वाला बसोरी पैक्स का गोदाम जर्जर हो चुका है। जिसके कारण पैक्स अध्यक्ष को किराए के गोदाम में धान रखने की मजबूरी है। बसोरी पैक्स का गोदाम सिकरील गांव में 2014 में बना था। जो जर्जर होने और और गड्ढे में होने के कारण गोदाम के अंदर आहर का पानी रिसने लगता है। जिससे धान खराब होने लगता है। जाने के लिए

ट्रैक्टर का रास्ता नहीं है। वही चंकिायें पंचायत में तो गोदाम ही नहीं है। वही बड़कागांव पैक्स में एक हजार एमटी , सेददा में पांच सौ एमटी और अन्य पंचायतों में केवल 100 से 200 एमटी क्षमता वाले गोदाम हैं। प्रखण्ड में अरवा चावल मिल बड़कागांव , जंठवार , करथ , बिहटा , मौआपखुर्द , पनवारी पैक्स में संचालित है। जबकि शेष 13 पैक्स दूसरे मिल पर आधारित है । उसके बाद उसीना चावल एसएफसी को आपूर्ति करते हैं ।

फिर से आ रही है एनडिए सरकार डा संजय जयसवाल

नवप्रदेश, बेतिया : रविवार को दिन अपने अवास पर एक प्रेस वार्ता के दौरान बेतिया सांसद डॉ संजय जयसवाल ने कहा कि जिस प्रकार बिहार के विकास के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी के नेतृत्व में काम हुआ और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में लोगों कि भिड़ उमड़ी उसे देखकर विरोधियों के हीसले परस्त हो गया है और यह



तय है कि एक बार फिर प्रचंड बहुमत से बिहार में एनडीए सरकार आ रही है ।

अबैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त चालक गिरफ्तार

नवप्रदेश, तराई : प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत तराई थाना पुलिस ने वाहन चैकिंग अभियान के दौरान अबैध बालू लदा ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। तराई थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि वाहन चैकिंग अभियान के दौरान बांधव गांव पुल के समीप अबैध बालू लदा को जब्त किया गया। थाना पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार चालक इमादपुर थाना क्षेत्र

के धर्मपुरा टोला निवाशी धर्मेंद्र पासवान के पुत्र रितेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। वही शराब के नशा में हंगामा करते एक युवक को गिरफ्तार किया गया। तराई थाना पुलिस ने बताया कि कपूरडीहरा गांव निवाशी श्रीनाथ साह के पुत्र कुमार साह को शराब के नशा में हंगामा करते गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया।

निर्वाचन कार्य एक राष्ट्रीय दायित्व है, इसे निष्ठा और निष्पक्षता से निभाएँ : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

नवप्रदेश, बेतिया : बिहार विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण में पश्चिम चम्पारण जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले मतदान की तैयारियों के तहत रविवार को मतदान दलों, सभी सेक्टर, जौनल, सुपर जौनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की ब्रीफिंग जिले के विभिन्न डिस्ट्रिक्ट सेंटरों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ब्रीफिंग के आयोजन बाबा भूतनाथ महाविद्यालय, मंगलपुर (बगहा-02), राजकीयकुत उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरिनगर, कृषि बाजार समिति, नरकटियागंज तथा एम.जे.के. कॉलेज, बेतिया में किया गया। बगहा स्थित बाबा भूतनाथ महाविद्यालय, मंगलपुर में वाल्मीकिनगर एवं बगहा विधानसभा



क्षेत्र के मतदानकर्मियों की ब्रीफिंग दोपहर से प्रारंभ हुई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया श्री धर्मेन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक, बगहा, श्री सुशान्त कुमार सरोज उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने मतदान दलों को निर्वाचन कार्य से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान सुनिश्चित करने पर बल दिया।

मतदान दिवस पर अनधिकृत वाहनों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध

नवप्रदेश, बेतिया : बिहार विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण में पश्चिम चम्पारण जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 11 नवंबर 2025 (सोमवार) को प्रातः 7 बजे से अपराह्न 6 बजे तक मतदान होना निर्धारित है। इस अवसर पर आदर्श शाहर सहिता-सह-विधि व्यवस्था कोषांग की ओर से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया, श्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा वाहन परिचालन से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस अवसर के दिन वाहनों के परिचालन पर विशेष नियंत्रण रहेगा और केवल निम्नलिखित श्रेणीयों के वाहनों को ही निर्धारित प्ताों के तहत परिचालन की अनुमति दी जाएगी।

अस्थायी और राजनीतिक दल हेतु निर्देश :- प्रत्येक उम्मीदवार को एक वाहन पूरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र

बिहार में कहीं पति-पत्नी तो कहीं पिता-पुत्र आमने-सामने, चुनावी रण में अपनों के बीच टक्कर

नवप्रदेश, पटना: बिहार विधानसभा चुनावों में इस बार एक मुकाबला बेहद रोचक होने वाला है। इस बार कुछ ऐसे भी उम्मीदवार हैं, जो अपनों के लिए एही चुनौती बने हुए हैं और मैदान में एक-दूसरे के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। अगर हम बिहार विधानसभा चुनाव की मौजूदा तस्वीर पर नजर डालें, तो यहाँ की सियासत की एक अनोखी खासियत है। यहाँ के नेता अपने पारिवारिक हितों को थोड़ा ज्यादा तवज्जो देते हैं। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पारिवारिक रिश्तों की सियासी जंग दिलचस्प मोड़ पर है। पिता-पुत्र और पति-पत्नी एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं, जिससे राज्य में वंशवाद और परिवारवाद पर नई बहस उभरी है। इस बार कुछ ऐसे भी उम्मीदवार हैं, जो अपनों के लिए ही चुनौती बने हुए हैं और मैदान में एक दूसरे के सामने चुनाव लड़ रहे हैं।

मोतिहारी सीट पर पति-पत्नी आमने-सामने : मोतिहारी विधानसभा सीट पर पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतर आए हैं। देवा गुप्ता और प्रीति कुमारी दोनों एक ही घर में एक



साथ रहते हैं लेकिन चुनाव के मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ तटार उतर आए हैं। देवा गुप्ता पखऊ के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। तो वहीं उनकी पत्नी प्रीति कुमारी इसी मोतिहारी विधानसभा सीट से निर्दलीय मैदान में हैं। पति के खिलाफ मैदान में उतरने के सवाल पर प्रीति ने कहा कि विरोधियों को परास्त करने की ये एक सियासी चाल है। बता दें कि प्रीति इस वक्त मोतिहारी शहर में उत्तरने के सवाल पर प्रीति ने कहा कि विरोधियों को परास्त करने की ये एक सियासी चाल है। शरा दें कि प्रीति इस वक्त मोतिहारी शहर में उत्तरने के सवाल पर प्रीति ने कहा कि विरोधियों को परास्त करने की ये एक सियासी चाल है।

RJD के लिए चुनौती बन सकता है ये टकराव : स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक ये टकराव पखऊ के लिए चुनौती बन सकता है, क्योंकि दोनों ही पति-पत्नी जिले में सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। देवा गुप्ता लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय हैं और पार्टी के



प्रधानमंत्री का विजन, उतराखंड को स्पिरिचुअल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड बनाने के लिए टिप्स

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उतराखंड के अतीत और वर्तमान का जिक्र करते हुए भविष्य के सशक्त उतराखंड की सशक्त नींव रखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उतराखंड का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति है और इसी शक्ति के आधार पर उतराखंड स्पिरिचुअल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड के रूप में स्थापित कर सकता है। इसके लिए मंदिर, आश्रम, आध्यात्मिक ज्ञान और योग के केंद्रों को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ एक नए उतराखंड का निर्माण होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने उतराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर अगले 25 वर्ष का विजन उतराखंडियों के सामने रखा। प्रधानमंत्री ने उतराखंड को शीर्ष ऊंचाई पर पहुंचाने का लक्ष्य तय करने और उसे हासिल करने की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया। वेलनेस के लिए आने वालों के लिए यहां की जड़ी- बूटियां और



आयुर्वेदिक औषधियां की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए राज्य की हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र, आयुर्वेद केंद्र, नेचुरोपैथी संस्थान, होमस्टे पैकेज पर कार्य करने की जरूरत पर भी जोर दिया। इससे देश विदेश के पर्यटक उतराखंड की ओर आकर्षित होगा।

प्रधानमंत्री ने देव भूमि उतराखंड को भारत के आध्यात्मिक जीवन

की धड़कन बताया। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ, जागेश्वर आदि कैलाश ऐसे आस्था के प्रतीक है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु यात्रा पर आते हैं। उनकी यात्रा भक्ति का मार्ग खोलती है और वे नई ऊर्जा का अनुभव करते हैं। वहीं भक्ति मार्ग ही उतराखंड की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का समावेश करेगा।

प्रधानमंत्री आज उतराखंड के विकास की कड़ी जोड़ते हुए मंच पर भविष्य का रोडमैप का खाका खींच गए। तीर्थाटन के साथ ही उन्होंने होमस्टे योजना को और अधिक सशक्त बनाने कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि एकदम घरेलू माहौल में चूड़ा, अरसा, भात और झंगोरे की खीर का जो एक बार भोजन करेगा, उससे जो आनंद की

अनुभूति होगी वह आनंद उन्हें बार-बार उतराखंड खींच लाएगा।

राज्य में विकास के विजन को स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने उतराखंड के नंदा देवी मेला, बागेश्वर उतरायणी मेला, देवीधुरा, श्रावणी और बटर फेस्टिवल जैसे मेले विश्व मानचित्र पर स्थान पर लाने पर काम करने की जरूरत बताई। यहां के स्थानीय मेलों और पर्वों को वर्ल्ड मैप पर लाने के लिए वन जिला, वन फेस्टिवल अर्थात एक जिला एक मेला जैसा कोई अभियान चलाने की भी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने भविष्य के उतराखंड के विकास की तस्वीर बनाते हुए बेडू और कीवी फलों को भी विकास की धुरी बताया। पहाड़ी जिलों को हॉर्टिकल्चर केंद्र बनने पर फोकस करने का मंत्र दिया। क्लबेरी, कीवी, हवेल और मेडिसिनल प्लांट्स को भविष्य की खेती बताते हुए इसे अपनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने बदरी गाय का घी और बेडू के बेहतरीन उत्पाद का जिक्र करते हुए कहा कि बेडू फल पहाड़ के गांव से निकलकर बाहर के बाजारों तक पहुंच रहा है। इससे बने उत्पादों पर लगा टैग जहां भी जाएगा, वह अपने साथ उतराखंड की पहचान बताएगा। प्रधानमंत्री ने हाउस ऑफ हिमालय को अधिक गति देने के साथ ही बारहमासी टूरिज्म भी रास्ता बनने की संभावना जताई। इसके साथ ही उतराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन, शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई। यह उतराखंड आर्थिक प्रगति का प्राण बन सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उतराखंड भविष्य की इन योजनाओं पर कार्य करता है तो यह प्रदेश देश का सबसे खुशहाल और विकसित राज्य होगा। उन्होंने उतराखंड के लोगों से अपील की कि ठान लो कि उतराखंड को 2047 तक एक ऐसा प्रदेश बनाना जो भारत का सबसे ताकवर राज्य हो।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी ने अररिया-सुपौल और मधुबनी में की रैली

पटना। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार में दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भी खूब गए। उन्होंने एनडीए प्रत्याशियों के लिए चार रैली की। योगी आदित्यनाथ ने सिकंदी विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी विजय कुमार मंडल, नरपतगंज से देवेंती यादव, छत्तापूर से नीरज कुमार सिंह 'बक्यू' और बिस्फी से हरिभूषण ठाकुर बचौल को वोट देकर विधानसभा में भेजने का आग्रह किया। सीएम योगी ने कंग्रस, राजद समेत महागठबंधन पर बिहार में जंगलराज फैलाने का आरोप लगाया। बोले कि कर्लाकित व काले अतीत के लोग भरोसे लायक नहीं हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेगी तो फिर बिहार की जनता का निर्णय आ जाएगा कि 'फिर एक बार एनडीए सरकार'। उन्होंने कहा कि गौरवशाली अतीत के धनी बिहार के सामने संकट खड़ा करने वाले ही असली अपराधी हैं। जिन लोगों ने बिहार में जंगलराज लाने का पाप किया, बिहार को पीछे धकेला, वे लोग बड़ी-बड़ी घोषणाएं और नैकरी के नाम पर बहकाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की कि जिन लोगों का अतीत कर्लाकित और काला है, उन पर विश्वास करने की जरूरत नहीं है। यह विकास को जंगलराज में बदलने का पाप करने वाले लोग हैं। भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने नरपतगंज में कहा कि बिहार में फिर से 'जंगलराज' लाने की कोशिश करने वालों को रोकना जरूरी है। पंचर बनाने वाले यहां आकर विकास को पंचर करना चाहते हैं। जिस बिहार ने दुनिया को नालंदा विश्वविद्यालय और ज्ञान की रोशनी दी, उसी बिहार को कंग्रस-राजद की जोड़ी ने निरक्षरता और अराजकता की तरफ धकेल दिया। 2005 में बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी तो फिर आज यहां का नौजवान आईएसए, आईजीएस, आईएफएस, स्टार्टअप, उद्यमी समेत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नया करके देश व दुनिया के लिए मॉडल खड़ा कर रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने छत्तापुर में कहा कि परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया। नागरिकों व गरीबों को भूखों मरने के लिए छोड़ दिया गया। सरकार के खजाने में लूट मच गई थी। बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ राजद व कंग्रस का महागठबंधन सिर्फ धोखा देने आया है। सीएम ने बिहारवासियों से कहा कि जो आपकी जमीन हड़प गए, वे नौकरी क्या दें। बिहार का इतिहास गौरवशाली है, लेकिन कंग्रस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे। यह खानदानी लुट्टे झूठा आश्वासन देने आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि कंग्रस और राजद बिहार में फिर जंगलराज लाना चाहते हैं। इस खतरे को रोकने के लिए एनडीए ही विकल्प है। उन्होंने कहा कि मधुबनी संवेदनशील जिला है, यहां पर घुसपैठियों का लॉचिंग पैड नहीं बनने देना है। बहन, बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा पर जो संधे लगाई गईं, गठबंधन उसका दोषी है। योगी ने 10 दिन में की 30 रैली व दर्भंगा में निकाला रोड शो बिहार विधानसभा चुनाव -2025 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 दिन में 31 रैली, जिनमें दर्भंगा में एक रोड शो भी रहा। इस दौरान उन्होंने भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), हम और राष्ट्रीय लोकमोर्चा के कुल 43 प्रत्याशियों के समर्थन में एनडीए को जिताने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने किसानों के खातों में ट्रांसफर की 63 करोड़ की राशि, जारी किए दो डाक टिकट

उत्तराखंड ने प्रधानमंत्री को भेंट किया केदारनाथ के शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर का मॉडल

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उतराखंड के रजत जयंती के मुख्य समारोह में प्रदेश के 28 हजार किसानों के खाते में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना की 63 करोड़ की धनराशि स्थानांतरित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने उतराखंड उदय पर आधारित दो डाक टिकट जारी किए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने गौरवशाली अतीत सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक से प्रकाशित कॉफी टेबल बुक का विमोचन और सींग व जमरानी जल विद्युत परियोजनाओं के साथ ही करीब 2,260 करोड़ की निधिन्न योजनाओं का भी लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान उतराखंड की विकास यात्रा से संबंधित फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

उतराखंड के गौरवपूर्ण रजत जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति प्रधानमंत्री पर भरोसे की मिसाल पेश कर गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शॉल अट्ठाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बाबा केदारनाथ के शीतकालीन स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ का मॉडल भेंट



किया। इसके बाद प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उतराखंड नागरिक उड्डयन के सचिव सचिन कर्वे व एयरपोर्ट ऑथरिटी के अध्यक्ष विपिन कुमार ने समझौता ज्ञापन एक-दूसरे को स्थानांतरित किया। इस समझौते से उतराखंड के सीमांत जगपद पिथौरागढ़ में स्थित नैनी सैनी हवाई पट्टी को पूर्ण रूप से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अधिग्रहण कर लिया है। इसके बाद नैनी सैनी हवाई पट्टी से नियमित उड़ानों के साथ ही यात्रा सीमाओं का भी विस्तार होगा और आदि कैलाश व ओम पर्वत लिपुलेख जैसी यात्राओं को नई गति मिलेगी, साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा विकसित हो सकेगे। प्रधानमंत्री ने उतराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। गौरवशाली अतीत, सशक्त वर्तमान और सुनहरा भविष्य शीर्षक पर प्रकाशित यह कॉफी टेबल बुक केवल चित्रों का संग्रह नहीं बल्कि

उतराखंड की आत्मा, उसकी अस्मिता और आकांक्षाओं का दस्तावेज है। कॉफी टेबल बुक में कैसे देव भूमि ने परंपरा को प्रगति से जोड़ा दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री ने दो डाक टिकट जारी किए। यह डाक टिकट उतराखंड की 25 वर्षों की समृद्धि और संस्कृति की कहानी थीम पर आधारित हैं। इसमें उतराखंड उदय को दर्शाया गया है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने स्पेशल करर का भी अनावरण किया। इसमें केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण, बदरीनाथ धाम का पुनरुद्धार, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, ऑल वेदर रोड आदि को दर्शाया गया है। रजत जयंती के मुख्य समारोह में उतराखंड की विकास यात्रा पर आधारित एक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस लघु फिल्म में उतराखंड निर्माण की गौरव गाथा के संघर्ष, राज्य के सुजन और राज्य स्थापना के 25 वर्ष की विकास यात्रा का फिल्मांकन किया गया है। फिल्म में प्रधानमंत्री अटल बिहारी

वाजपेई की राज्य स्थापना की घोषणा का भी फिल्मांकन है। **प्रधानमंत्री ने इन योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास**

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। परियोजनाओं में अमृत योजना के अंतर्गत देहरादून जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र और हलद्वानी स्टैडियम (नैनीताल) में स्पोर्ट्स हॉकी मैदान प्रमुख हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री दो महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं में शामिल सींग बांध पेयजल परियोजना (देहरादून) और जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना (नैनीताल) का शिलान्यास किया। सींग बांध परियोजना देहरादून को प्रतिदिन 150 एमएलडी पेयजल उपलब्ध कराएगी, जबकि जमरानी परियोजना सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और बिजली उत्पादन में सहायक होगी। इसके अतिरिक्त जिन अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, उनमें चंपावत में महिला खेल महाविद्यालय की स्थापना, नैनीताल में अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र और विद्युत सबस्टेशन शामिल हैं।

इस बार तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर मनाया जाएगा नौसेना दिवस

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ 1971 में युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद में मनाया जाने वाला नौसेना दिवस इस बार तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर 04 दिसंबर को मनाया जाएगा। इस युद्ध में भारत की समुद्री सेना ने दुश्मन की नौसेना और तटीय सुरक्षा को करारा झटका दिया था। इस बार का ऑपरेशनल प्रदर्शन विकसित और समुद्र भारत के लिए समुद्र की सुरक्षा करने वाले एक युद्ध-तैयार, एकजुट, विश्वकसीय और आत्मनिर्भर बल के रूप में भारतीय नौसेना की समुद्री उत्कृष्टता का उत्सव होगा। नौसेना दिवस 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है, जिसमें ऑपरेशन 'ट्रुइडेंट' के तहत भारतीय नौसेना की मिसाइल नौकाओं ने कराची बंदरगाह पर एक साहसिक हमला किया। इस निर्णायक कार्रवाई ने न केवल भारत की समुद्री शक्ति, बल्कि सटीकता, साहस और रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन किया था। हर साल की तरह इस बार भी भारतीय नौसेना ने प्रमुख नौसेना स्टेशनों के अलावा किसी अन्य स्थान पर सालाना कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है। इससे पहले इस तरह के कार्यक्रम ओडिशा के पुरी और महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में आयोजित किये गए थे। नौसेना के केप्टन विवेक मधवाल के मुताबिक इस कार्यक्रम में नागरिकों को भारतीय नौसेना के बहु डोमेन संचालन के विभिन्न पहलुओं को देखने का अनूठा मौका मिलेगा। तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर होने वाला ऑपरेशनल प्रदर्शन हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में 'पसदीदा सुरक्षा भागीदार' के रूप में नौसेना के संकल्प को प्रदर्शित करेगा। यह कार्यक्रम नौसेना की दुर्जय लड़ाकु क्षमताओं, तकनीकी उत्कृष्टता और परिचालन तत्परता को जीवंत करेगा। साथ ही देश की बढ़ती समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता को भी दर्शाएगा। इस ऑपरेशनल प्रदर्शन में अग्रिम पंक्ति के प्लेटफार्मों के समन्वित युद्धाभ्यास प्रदर्शित किए जाएंगे, जो नौसेना की समुद्री क्षेत्र में शक्ति और सटीकता प्रदान करने की क्षमता का प्रतीक होगा। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के एडिप्रकोण को दर्शाते हुए इस प्रदर्शन में रक्षा निर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतिनिधित्व करने वाली कई स्वदेशी निर्मित संपत्तियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह समारोह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित नौसेना की तैयारियों और निवारक क्षमता को भी उजागर करेगा, जो सटीकता, गति और प्रभुत्व के साथ हमला करने की उसकी क्षमता की पुष्टि करता है।



महाराष्ट्र भारत की असली स्टार्टअप राजधानी है : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को मुंबई में कहा कि महाराष्ट्र भारत की असली स्टार्टअप राजधानी है। इसका कारण भारत में सबसे अधिक पंजीकृत स्टार्टअपस महाराष्ट्र में हैं, जिनमें से 45 प्रतिशत स्टार्टअपस महिलाओं के नेतृत्व में हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को हासिल करने में महाराष्ट्र और विशेष रूप से महिला उद्यमियों का बड़ा हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस आज जुहू स्थित एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित ह्यूमनेवेशन महाकुंभ 2025हू के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के मन में हर विचार नवप्रवर्तन है और इस स्टार्टअप के युग में हर व्यक्ति को



नया उद्यमी बनने का अवसर है। उन्होंने ब्रिटेन में उस युग की बात याद दिलाई, जब महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था।

लेकिन 1916 में महर्षी धोंडो केशव कर्वे ने महिलाओं के लिए स्वतंत्र विश्वविद्यालय स्थापित किया। उनकी दूरदृष्टि ने आज महिला

सशक्तीकरण और नवप्रवर्तन के नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य सरकार ने नवउद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए नीति बनाई है। उन्होंने

कहा कि युवाओं के सपनों को पंख देने में सरकार और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है और राज्य सरकार हर कदम नवउद्यमियों का समर्थन कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज नवप्रवर्तन सिर्फ नए उत्पाद नहीं ला रहा, बल्कि जीवन को और सरल बन रहा है। जब किसी विचार को मार्केट में उतारा जाता है, तो वह अर्थव्यवस्था को गति देता है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स ने नई संकेतों को तेजी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यस्टार्टअप इंडिया अभियान की वजह से भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप इकॉनॉमी बना है। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों द्वारा विकसित नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने

अवलोकन किया। सभी नवोन्मेषकों को बढ़ाई दी, और चिकित्सा, कृषि एवं परिवहन प्रबंधन क्षेत्रों में उत्कृष्ट तीन स्टार्टअप विचारों का सम्मान किया। साथ ही प्री-इनक्यूबेशन केंद्र का उद्घाटन भी किया गया। कौशल विकास, रोजगार व उद्यमिता मंत्री मंगलप्रभात लोढा ने कहा कि राज्य में शिक्षा और नव्यवर्तन के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है और आने वाले समय में महाराष्ट्र इस क्षेत्र में पहले नंबर पर रहेगा। उन्होंने महिलाओं की अहम भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार एसएनडीटी विश्वविद्यालय के समर्थन में है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रा.डॉ.उज्ज्वला चक्रवर्त ने इनोवेशन महाकुंभ 2025 के बारे में प्रारंताविक परिचय दिया।

एक नजर

ट्रंप से मुलाकात के लिए सीरिया के राष्ट्रपति अल-शरा पहुंचे अमेरिका, सोमवार को होगी मुलाकात

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी एतिहासिक मुलाकात के लिए सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा शनिवार को अमेरिका पहुंच गए हैं। अहमद अल-शरा सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे।



सम्राचार एजेंसी सना के मुताबिक साल 1946 में देश की आजादी के बाद यह किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली ऐसी यात्रा है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 7 नवंबर को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा और उनकी सरकार के कुछ सदस्यों पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। नवंबर 2024 में विपक्षी ताकतों की अगुवाई करते हुए अहमद अल-शरा ने दशकों से शासन कर रहे बशर अल असद की सरकार को उखाड़ फेंका था।इसके साथ ही सीरिया में दशकों से चले आ रहे गृहयुद्ध का अंत हो गया। सीरिया की सत्ता पर काबिज हुए अहमद अल-शरा ने सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। ट्रंप ने इसी साल मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात के बाद सीरिया पर दशकों से लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाने की घोषणा की थी। अमेरिका ने 7 नवंबर को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा को वैश्विक आतंकवादी सूची से हटा दिया। अमेरिकी ने अहमद अल-शरा के अतिरिक्त उनके संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को भी विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) के दर्जे से हटा दिया। गौरतलब है कि अहमद अल-शरा करीब 20 साल पहले वैश्विक आतंकी संगठन अलकायदा में शामिल होने के बाद साल 2005 में इराक में गिरफ्तार किया गया। साल 2011 में रिहा होने से पहले उसने छह साल अमेरिकी और इराकी जेलों में बिताए। इसके बाद अल-शरा ने सीरिया में अलकायदा से जुड़े संगठन का नेतृत्व किया और साल 2013 में अमेरिका ने उनके सिर पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। हालांकि साल 2016 में अहमद अल-शरा ने खुद को अलकायदा से अलग कर लिया। नवंबर 2024 में अल-शरा ने विपक्षी ताकतों का नेतृत्व करते हुए असद शासन को उखाड़ फेंका।

प्रचंड की नीतियों का विरोध करते हुए उनकी ही पार्टी के विधायक ने अपने मुंह पर कालिख पोती

काठमांडू। माओवादी पार्टी से नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी बनाने वाले पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की नीति का विरोध करते हुए उनकी ही पार्टी के एक विधायक ने अपने ही मुंह पर कालिख पोत ली है। यह घटना शनिवार की है, जब प्रदेश सभा में नवनियुक्त मुख्यमंत्री जीतेंद्र सोनल विश्वास का मत ले रहे थे। माओवादी पार्टी इस सरकार को समर्थन कर रही थी, लेकिन उसी पार्टी के रोहबर असारी ने विश्वास मत के दौरान प्रदेश सभा में अपनी मुंह पर कालिख पोत ली और कहा कि जो सरकार को समर्थन नहीं दे सकते हैं। असारी ने कहा कि प्रचंड के हर बार नीति बदलने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि प्रचंड अपनी सुविधा और अपने व्यक्तिगत राजनीतिक फायदे के लिए कभी इस गठबंधन में कभी उस गठबंधन में जाते रहते हैं। उनकी इसी नीति से लग आकर मैंने सरकार को समर्थन नहीं देने का फैसला लिया है। दरअसल, 25 दिन पहले बनी सोनल के नेतृत्व की सरकार से शनिवार को माओवादी पार्टी और जनमत पार्टी के दो-दो विधायकों ने विरोध किया, जिसके बाद विश्वास का मत नहीं पाने के कारण सरकार गिर गई।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 40 वर्ष से कम आयु के युवाओं को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का समर्थन करेगी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) ने घोषणा की है कि अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव में 40 वर्ष से कम आयु के युवाओं को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को मुख्य बानाया जायेगा। पार्टी के इस फैसले को जैन जी आंदोलन का असर बताया जा रहा है। चितवन के सौराहा में शनिवार को पार्टी की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक में यह निर्णय लिया गया, ताकि युवाओं की जनसंख्या के अनुपात में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। राबिwar को बैठक की जानकारी देते हुए एक बयान में यह भी बताया गया कि विदेश से लौटे नेपाली नागरिकों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित कराने का फैसला लिया गया है।

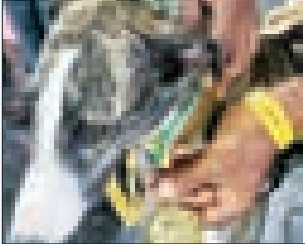
एक दिसंबर से कोरेला नाका बंद होने से चीन-नेपाल व्यापार पर संकट, व्यावसायियों में बढ़ी चिंता



काठमांडू। नेपाल और चीन को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क मार्ग पहले से ही बाढ़ के कारण अवरुद्ध है। अब अत्यधिक ठंड के कारण चीनी पक्ष ने मुस्तांग स्थित कोरेला नाका को अगले माह 1 दिसंबर से बंद करने का निर्णय लिया है, ऐसे में व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है। नेपाल उद्योग वाणिज्य के अध्यक्ष केश ठकाल ने कहा कि रसुवा और तातोपानी नाका के लंबे समय से बंद रहने के कारण ल्योहारों के लिए चीन से मंगाय गए अर्बों रुपये मूल्य के सामान तिब्बत में ही अटकते हुए थे, जिससे व्यापारी गंभीर संकट में पड़ गए थे। कोरेला नाका पूरी में अधिक होने से यह मार्ग व्यापार के लिए अपेक्षाकृत महंगा है। वर्तमान में रसुवा नाका पूरी तरह से बंद है, जबकि तातोपानी नाका से चीन की ओर से प्रतिदिन केवल पांच से दस कंटेनर नेपाल भेजे जा रहे हैं। नेपाल के चीन व्यापार साँझ के अत्यक्ष त्रिभुज तुराधार ने बताया कि नेपाल के हजारों कंटेनर अब भी तिब्बत की ओर फंसे हुए हैं। कई व्यापारियों ने अतिरिक्त भाड़ा चुकाकर अपने कंटेनरों को तातोपानी से कोरेला मार्ग की ओर मोड़ा था। तुलाधर ने कहा कि समुद्री मार्ग से सामान मंगाने की लागत भले ही कम हो, लेकिन गंतव्य तक पहुंचने में तीन माह से अधिक समय लगने के कारण वस्तुओं की बिंदी का मौसम निकल जाता है और पूंजी लंबे समय तक फंसी रहती है, जिससे व्यापारी विव्रित हैं। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, कोरेला नाके से चीन से खरीदे गए माल एक महीने के भीतर ही गंतव्य तक पहुंच जाते थे, जिससे व्यापारी इस मार्ग से संतुष्ट थे। अब रसुवा और तातोपानी नाकों की दयनीय स्थिति के बीच 1 दिसंबर से कोरेला नाका भी बंद होने जा रहा है, जिससे चीन के साथ व्यापार करने वाले नेपाली व्यापारी गहरी अनिश्चिन्ता और संकट की स्थिति में हैं।

बीएसएफ ने किया डोंग बबीता की बुद्धिमत्ता को सलाम, मिला के-9 अवाई

चंडीगढ़। भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ के साथ कदमताल करते हुए उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली ट्रेकर डोंग बबीता को इस वर्ष का वल्लभभाई पटेल आवाआर्यू नेशनल के-9 अवाई देकर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हेमरावदाम में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में असाधारण साहस और विशिष्ट सेवा के लिए दिया गया।



अमृतसर सेक्टर में सीमा पर तैनात एक बटालियन के साथ सेवारत बबीता ने सितंबर, 2025 में एक बड़े ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी तीक्ष्ण प्रवृति और बुद्धिमत्ता ने सैनिकों को एक संदिग्ध पर तक पहुंचाया, जिसके परिणामस्वरूप तीन भारतीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ ने बबीता के सहयोग से तस्करों के कब्जे से एक गिरील, दो मैगजीन, 63 राउंड और 04 मोबाइल फोन जब किए। बबीता की यह अनुकरणीय उपलब्धि सीमा सुरक्षा बल की बेजोड़ बहादुरी, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और उत्तम टीम वर्क को दर्शाती है, जो देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव सतर्क और तत्पर रहता है।

जम्मू-कश्मीर के कटुआ में आतंकी संबंधों के आरोप में दो एसपीओ बर्खास्त



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कटुआ जिले में आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि एसपीओ अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास को पहले आतंकवादी गतिविधियों में उनकी कथित सल्लसता के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि कटुआ की विशेष पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने दोनों एसपीओ को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का आदेश दिया। दोनों पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों को समर्थन देने का आरोप है।